संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 203
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू



Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

चुनावी पारदर्शिता पर घमासान, सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

दो चुनाव आयुक्तों ने विवादित कार्य-वितरण आदेश पर कैबिनेट सचिव को लिखा था पत्र, आरटीआई से सामने आया मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर जारी विवाद के बीच दो महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आए हैं। एक ओर आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार, दो चुनाव आयुक्तों ने विवादित कार्य-वितरण आदेश को लेकर सीधे कैबिनेट सचिव को पत्र लिखा था। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के स्थानीय निकाय चुनावों से जुड़े मामले में कहा है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए जरूरत पड़ने पर संवैधानिक अदालतें हस्तक्षेप कर सकती हैं।

दोनों घटनाक्रम अलग-अलग मामलों से संबंधित हैं, लेकिन इनके केंद्र में चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, संस्थागत जवाबदेही और निष्पक्षता का सवाल है। एक मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 29 जुलाई को विवादित कार्य-वितरण आदेश के संबंध में कैबिनेट सचिव को पत्र लिखे थे। इस मामले में दोनों आयुक्तों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सीधे पत्र नहीं लिखा था।



हाई कोर्ट से राहत नहीं मिलने पर सुप्रीम कोर्ट पहुंची पार्टी

वाईएसआरसीपी ने इससे पहले आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में याचिका दायर कर संभावित हिंसा को देखते हुए सुरक्षा उपाय करने की मांग की थी। रिपोर्ट के अनुसार, हाई कोर्ट ने 15 अक्टूबर को पूर्व-सुरक्षात्मक उपायों की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद नामांकन की समयसीमा बढ़ाने का अनुरोध भी स्वीकार नहीं किया गया, जिसके बाद पार्टी सुप्रीम कोर्ट पहुंची। राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग ने याचिका का विरोध किया था। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि विपक्षी दल की ओर से नामांकन प्रक्रिया में बाधा के समर्थन में वीडियो और अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए गए हैं। ऐसी स्थिति में अदालत न्यायिक समीक्षा की अपनी भूमिका से पूरी तरह पीछे नहीं हट सकती।

चुनावी प्रक्रिया में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमा

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव मामलों में न्यायिक संयम के महत्व को भी रेखांकित किया। सामान्य तौर पर चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण के माध्यम से निर्धारित समयसीमा में पूरा होने देना आवश्यक है। लेकिन अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि प्रथम दृष्टया उम्मीदवारों को नामांकन से रोकने या चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की आशंका सामने आती है, तो संवैधानिक अदालतें आवश्यक निर्देश दे सकती हैं।

जवाबदेही और पारदर्शिता पर टिकी नजर

चुनाव आयुक्तों के पत्राचार और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने चुनावी संस्थाओं की कार्यप्रणाली तथा जवाबदेही को लेकर बहस को तेज किया है। हालांकि, दोनों मामलों की परिस्थितियां अलग हैं। एक ओर विवादित कार्य-वितरण आदेश और आयुक्तों के पत्रों की पूरी जानकारी सामने आना बाकी है, वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के स्थानीय निकाय चुनावों में नामांकन संबंधी शिकायत पर राज्य चुनाव आयोग को निर्णय लेने का निर्देश दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस संबंध में 24 सितंबर को आरटीआई आवेदन दाखिल किया गया था। कैबिनेट सचिवालय ने 19 अक्टूबर को जवाब देते हुए बताया कि दोनों पत्र 29 जुलाई को प्राप्त हुए और 30 जुलाई को दर्ज किए गए। इसके बाद पांच अगस्त तक उन्हें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) तथा मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यालय को भेज दिया गया।

आरटीआई के जवाब में पत्रों की विषयवस्तु सार्वजनिक नहीं की गई। रिपोर्ट के अनुसार, संबंधित दस्तावेजों में आयुक्तों के पत्रों के 10 पन्ने, जवाब के दो पन्ने और फाइल नोटिंग के दो पन्ने शामिल हैं। इस तरह कुल 14 पन्नों के दस्तावेजों का उल्लेख किया गया है।

पत्रों की सामग्री सामने नहीं आने से यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों आयुक्तों ने क्या आपत्तियां दर्ज कराई थीं और कैबिनेट सचिवालय की ओर से क्या जवाब दिया गया। फिलहाल आरटीआई से पत्रों के अस्तित्व, उनके प्राप्त होने की तारीख और आगे भेजे जाने की प्रक्रिया की जानकारी मिली है। रिपोर्ट के अनुसार, विवाद की शुरूआत 28 जुलाई को जारी कार्य-वितरण आदेश से हुई। बताया गया कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने इस आदेश पर आपत्ति जताई थी और इसे नियमों के अनुरूप नहीं माना था।

7 दिन बाद सौरभ और आशुतोष तिहाड़ से हुए रिहा



नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) अदालत ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका को रिहा करने का आदेश दिया। दोनों नेताओं को दो दिन की न्यायिक हिरासत के बाद अदालत में पेश किया गया था। दिल्ली पुलिस ने उनकी हिरासत तीन दिन बढ़ाने की मांग की थी, जिसे अदालत ने स्वीकार नहीं किया। इससे पहले दोनों नेताओं ने अपनी न्यायिक हिरासत को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। बुधवार को सुनवाई के दौरान उन्होंने अपनी याचिका वापस ले ली। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय में दोनों नेताओं की उम्र का उल्लेख हुआ। उनके वकील ने बताया कि सौरव दास 27 वर्ष और आशुतोष रांका 31 वर्ष के हैं। इस पर अदालत ने टिप्पणी की कि वे जेन-जी आयु वर्ग के नहीं हैं। न्यायाधीश ने मिलेनियल्स और जेन-जी की आयु सीमा को लेकर भी सवाल किया। उच्च न्यायालय ने कहा कि शांति भंग होने की आशंका के मामलों में संबंधित व्यक्ति की पहचान, उसकी भूमिका और संगठन के उद्देश्य जैसे पहलुओं पर विचार करना महत्वपूर्ण है। अदालत ने यह भी कहा कि विरोध करना अधिकार है, लेकिन शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका होने पर मजिस्ट्रेट को सभी संबंधित परिस्थितियों पर विचार करना होता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत, वैश्विक अनिश्चितता से चुनौतियां बरकरार : आरबीआई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, हालांकि ऊर्जा कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव का असर घरेलू आर्थिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। मौद्रिक नीति समिति की 5 से 7 अक्टूबर तक हुई बैठक का विवरण जारी करते हुए आरबीआई ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में आर्थिक वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह अगस्त में लगाए गए 6.7 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, पश्चिम एशिया में संघर्ष, ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव और कमजोर मानसून कृषि तथा ग्रामीण मांग के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं। हालांकि, पर्याप्त खाद्यान्न भंडार, सरकारी नीतियां और आपूर्ति स्रोतों में विविधता इन प्रभावों को कम करने में मदद करेंगी। आरबीआई ने महंगाई को लेकर भी चिंता जताई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई के आगामी तिमाहियों में बढ़ने की आशंका है। सेवा क्षेत्र में तेजी, स्थिर रोजगार और बुनियादी ढांचे पर सरकारी खर्च से घरेलू मांग तथा निवेश को समर्थन मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि भविष्य की मौद्रिक नीति वैश्विक परिस्थितियों, आर्थिक वृद्धि और महंगाई के रुझानों को ध्यान में रखकर तय की जाएगी।

जम्मू में 804 ग्राम हेरोइन और 1.114 किलो अफीम बरामद

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अरनिया सेक्टर के तलहार गांव से 804 ग्राम हेरोइन और 1.114 किलोग्राम अफीम बरामद की है। यह कार्रवाई 'ऑपरेशन संजीवनी' के तहत की गई। पुलिस को आशंका है कि नशीले पदार्थों की तस्करी में ड्रोन के जरिए सक्रिय सीमा पार नेटवर्क की भूमिका हो सकती है। पुलिस के अनुसार, आरएस पुरा थाने को सूचना मिली थी कि सुचेतगढ़ तहसील के कोटली मिर्डियन निवासी सनी कुमार (26) गांव के पास एक खाई के निकट नशीले पदार्थों का सेवन कर रहा है। इसके बाद एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/27 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पूछताछ और जांच में उसके कथित तौर पर ऐसे गिरोह से जुड़े होने की जानकारी मिली, जिसका संबंध ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थ गिराने से हो सकता है। इसके आधार पर आरएस पुरा थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तलहार इलाके में कार्रवाई कर नशीले पदार्थ बरामद किए। प्रारंभिक जांच में सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से भारतीय क्षेत्र में नशीले पदार्थ पहुंचाने की आशंका जताई गई है। पुलिस खेप के स्रोत, इसे पहुंचाने वाले लोगों और नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों का पता लगा रही है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच जारी है और नशा तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई की जा रही है।

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में कांग्रेस विफल रही : नितिन नवीन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को जनसंघ के 75वें स्थापना दिवस पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले गरीबी हटाने की बातें तो होती थीं, लेकिन सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाता था। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के राष्ट्र प्रथम और अंत्योदय के विचारों से शुरू हुआ जनसंघ आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुका है।

नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में नितिन नवीन ने कहा कि जनसंघ की स्थापना 21 अक्टूबर 1951 को सीमित संसाधनों के बीच हुई थी। उस समय कार्यकताओं के सामने अनेक चुनौतियां थीं, लेकिन उनका संकल्प संगठन के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना था। आज की पीढ़ी को वरिष्ठ नेताओं के संघर्ष, सादगी और समर्पण से प्रेरणा लेनी चाहिए।



उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी नीतियों और योजनाओं में आगे बढ़ाया है। जनधन जैसी योजनाओं के माध्यम से गरीबों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने और सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी कार्यकताओं को विकसित भारत और भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने संगठन के विस्तार में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और अन्य वरिष्ठ नेताओं के योगदान को भी याद किया।

नितिन नवीन ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे बदलते समय और नई तकनीकों के साथ आगे बढ़ें, लेकिन पार्टी के इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रहित के विचारों से जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए वरिष्ठों के अनुभव और संघर्ष से सीखना जरूरी है।

'मैं ट्रैवल एजेंट हूं क्या?' राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर बोले शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने राहुल गांधी की विदेश यात्रा को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि वह कोई ट्रैवल एजेंट नहीं हैं। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों ने उनसे पूछा कि दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के बीच राहुल गांधी विदेश क्यों गए हैं। इस पर थरूर ने कहा कि हर व्यक्ति की अपनी जिम्मेदारियां होती हैं और वह इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं कर सकते।

थरूर ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा। उन्होंने पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले 90 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए जाने का दावा करते हुए सवाल किया कि यदि बड़ी संख्या में नाम गलत तरीके से हटाए गए, तो एसआईआर कराने का क्या फायदा हुआ? उन्होंने फॉर्म-6 और फॉर्म-7 के इस्तेमाल तथा वर्ष 2002 की मतदाता सूची को आधार बनाने के फैसले पर भी सवाल उठाए।

थरूर ने कहा कि कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की जवाबदेही तय करने और उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली होगी।

इस बीच, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आम सहमति बनाने संबंधी बयान पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि विपक्ष से दूरी बनाकर आम सहमति कैसे बनाई जा सकती है और प्रधानमंत्री ने अब तक कितनी सर्वदलीय बैठकें बुलाई हैं।

एसआईआर पर केंद्र और चुनाव आयोग को घेरा, मतदाता सूची से नाम हटाने पर उठाए सवाल



दिल्ली हवाई अड्डे पर भगवंत मान को तीन घंटे इंतजार कराने का दावा, 50 हजार रुपये जुर्माना

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पेरिस से लौटने के बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर करीब तीन घंटे इंतजार करना पड़ा और उन पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। आम आदमी पार्टी ने बुधवार को यह दावा करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

पंजाब आप के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू के अनुसार, मुख्यमंत्री को सामान की जांच का हवाला देकर इंतजार कराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब मान हवाई अड्डे से निकलने वाले थे, तब अधिकारियों ने उन पर ऊपर से दबाव होने की बात कही। पार्टी ने इसे मुख्यमंत्री का अपमान और पंजाब की गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास बताया। मीडिया रिपोर्टों में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि सीमा शुल्क विभाग ने कथित तौर पर अघोषित विलासिता की वस्तुओं के संबंध में 50 हजार रुपये का



जुमार्ना लगाया। हालांकि, जुमार्ने के आधिकारिक कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने भी मान और उनकी पत्नी से सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा पूछताछ किए जाने का दावा किया।

मान 17 से 21 अक्टूबर तक पेरिस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय खाद्य व्यापार प्रदर्शनी में पंजाब के कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों को बढ़ावा देने गए थे। आम आदमी पार्टी ने इस घटना को मुख्यमंत्री की विदेश यात्राओं को लेकर केंद्र के साथ पहले हुए विवाद से भी जोड़ा है।

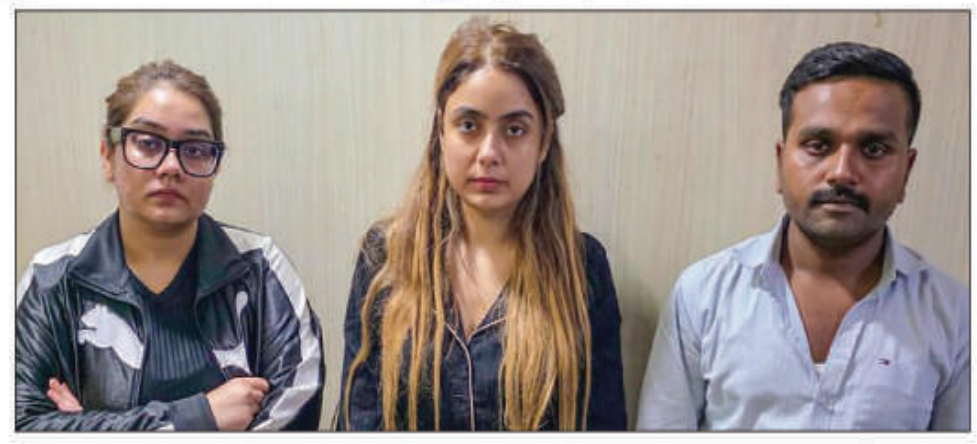
हजरतगंज हत्याकांड: तीन आरोपियों की 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मंजूर

नागपुर अदालत से अनुमति मिलने के बाद लखनऊ पहुंची एसटीएफ, तीनों आरोपी गिरफ्तार

नागपुर, (एजेंसी)। लखनऊ के हजरतगंज हत्याकांड में फरार चल रहे तीन आरोपियों को नागपुर से गिरफ्तार किया गया है। नागपुर जिला अदालत ने श्रद्धा दुबे, रश्मि दुबे और दानिश उर्फ तनवीर अली को लखनऊ ले जाने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस को 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मंजूर की है। इसके बाद पुलिस टीम तीनों आरोपियों को लेकर लखनऊ पहुंची।

पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपियों को 20 अक्टूबर 2026 को नागपुर के बेलतरोड़ी थाना क्षेत्र स्थित एक अपार्टमेंट के फ्लैट से गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई हजरतगंज पुलिस और नागपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने की। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों का चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया गया।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने नागपुर की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में आवेदन देकर ट्रांजिट रिमांड मांगी थी। पुलिस ने बताया कि नागपुर से लखनऊ की दूरी करीब 900 किलोमीटर है। ऐसे में आरोपियों को लखनऊ ले जाकर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने के लिए 72 घंटे की अनुमति जरूरी थी।



पुलिस के मुताबिक, श्रद्धा दुबे, रश्मि दुबे और तनवीर अली उर्फ दानिश हजरतगंज थाने में 10 अक्टूबर को दर्ज मामले में वांछित थे। उनकी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर की गई। अब आरोपियों को संबंधित अदालत में पेश किया जाएगा। मामले में आगे की जांच जारी है।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान करंट से तीन की मौत, 11 झुलसे

दो सगे भाइयों की भी गई जान, बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने फोरलेन पर लगाया जाम

गोरखपुर, (एजेंसी)। गोरखपुर के गुलरिहा थाना क्षेत्र के जंगल अयोध्या प्रसाद में बुधवार शाम दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हाईटेंशन तार की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि चार महिलाओं समेत 11 लोग झुलस गए। मृतकों में दो सगे भाई शामिल हैं। सभी घायलों को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, गांव के चौहान टोला में स्थापित दुर्गा प्रतिमा को बुधवार शाम करीब पांच बजे ट्रैक्टर-ट्रॉली पर रखकर कोलुहा घाट विसर्जन के लिए ले जाया जा रहा था। जुलूस जब रजही चौराहे पर रामानंद



के घर के पास पहुंचा, तभी डीजे के ऊपर लगी लोहे की रेलिंग ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गई। इससे डीजे और प्रतिमा के आसपास मौजूद लोगों को करंट लग गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

मृतकों की पहचान केदारनाथ के पुत्र चंदन और शिव चौहान के पुत्र विक्की व लक्की के रूप में हुई है। विक्की और लक्की सगे भाई थे। हादसे में पुष्पा देवी, नंदिनी, धीरेंद्र, मोनू, अंशिका चौहान, शनि चौहान, प्रियांशु, शिवानी और शांतनु सहित अन्य लोग झुलस गए। घायलों का बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है।

घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना था कि विसर्जन के दौरान बिजली आपूर्ति बंद रखने की बात कही गई थी, लेकिन इसके बावजूद आपूर्ति बंद नहीं की गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने शाम करीब छह बजे बीआरडी मेडिकल कॉलेज के गेट के सामने गोरखपुर-महराजगंज फोरलेन पर जाम लगा दिया और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

सेंगोल निमार्ता वुम्मिदी एथिराजुलु का निधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत की आजादी के समय ऐतिहासिक सेंगोल के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले वुम्मिदी एथिराजुलु का निधन हो गया। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि एथिराजुलु को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को भेंट किए गए ऐतिहासिक सेंगोल के लिए हमेशा याद किया जाएगा। वर्ष 2023 में नए संसद भवन में सेंगोल को सम्मानपूर्वक स्थापित किया गया था। इस दौरान मोदी ने एथिराजुलु से मुलाकात कर उनके योगदान के लिए आभार जताया था। मोदी ने कहा कि उनका जीवन और शिल्प कौशल भारत की गौरवशाली परंपराओं का प्रतीक है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में होने वाले पंचायत चुनाव पर नया अपडेट, जानिए क्यों टल रही इलेक्शन की तारीख

एजेंसी

पटना। बिहार में विधान परिषद चुनाव के अलावा पंचायत चुनाव भी होने वाला है, जिसकी तैयारी तेज कर दी गई है. वोटर लिस्ट रिविजन पर जोर दिया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र वोटर ना रह जाए. इसके लिए अभियान भी चलाया जाएगा. बिहार में होने वाले पंचायत चुनाव को लेकर अपडेट है. फिलहाल परिसीमन का काम कराया जा रहा है. यह काम खत्म होने के बाद ही पंचायत चुनाव कराए जायेंगे. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने खुद ही यह जानकारी दी थी. पटना में एक कार्यक्रम के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के वक्त उन्होंने स्पष्ट किया था कि परिसीमन के बाद पंचायत चुनाव कराए जायेंगे. इस वजह से टल रहा चुनाव जानकारी के मुताबिक, पंचायत चुनाव इसी साल नवंबर या दिसंबर महीने में कराया जाना था. लेकिन अब तक तारीख को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया. बताया जा रहा है कि यह चुनाव ईबीसी के आरक्षण के मुद्दे की वजह से टल गया है. इसके साथ ही परिसीमन का काम कराया जा रहा है. साथ ही वोटर लिस्ट रिविजन पर भी जोर दिया जा रहा है. वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए चलेगा अभियान ऐसा बताया जा रहा है कि वोटर लिस्ट रिविजन का काम मोतिहारी से शुरू किया जाएगा. इसके तहत नए और पात्र वोटर्स के नाम वोटर लिस्ट में जोड़े जायेंगे. इसके लिए अभियान चलाया जाएगा. कई जिलों में शिविर लगाए जायेंगे और छूटे हुए पात्र वोटर्स के नाम लिस्ट में जोड़े जाने की तैयारी है. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें कब तक हो सकता है चुनाव? ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि अगर अगले साल यानी 2027 में पंचायत चुनाव होता है तो मार्च या फिर अप्रैल महीने में आयोजित हो सकता है. लेकिन अब तक आधिकारिक तौर पर कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है. पंचायत चुनाव के माध्यम से गांव के मुखिया, पंचायत समिति, वार्ड सदस्य और जिला परिषद प्रतिनिधियों का चुनाव होता है. ग्रामीणों से की जा रही अपील मिली जानकारी के अनुसार, इस बार वोटर्स के पास सिर्फ वोटर कार्ड ही होना पर्याप्त नहीं होगा बल्कि उनका नाम आधिकारिक रूप से लिस्ट में शामिल होना अनिवार्य होगा. इस स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों से यह अपील की जा रही है कि निर्वाचन कार्यालय या फिर स्थानीय स्तर पर अपनी पात्रता और नाम शामिल होने की मौजूदगी की पुष्टि कर लें. ऐसा करने पर ही वोटिंग के वक्त किसी भी तरह की परेशानी से बच सकते हैं.

प्रचार का आज आखिरी दिन, 8 सीटों के लिए 23 अक्टूबर को होगी वोटिंग

एजेंसी

पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव को लेकर 23 अक्टूबर को वोट डाले जायेंगे. ऐसे में आज (21 अक्टूबर) शाम तक चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा. आखिरी दिन अपने-अपने पार्टी के प्रत्याशियों की जीत के लिए नेता पूरी ताकत झोंक देंगे. बिहार विधान परिषद की 8 सीटों पर चुनाव होना है. इसके लिए तमाम राजनीतिक पार्टियों के नेताओं की ओर से लगातार प्रचार किए जा रहे थे. ऐसे में आज चुनावी प्रचार का आखिरी दिन है. आज शाम 5 बजे तक ही प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार किया जा सकता है. इसके बाद यह दौर थम जाएगा. पटना स्नातक सीट पर मुकाबला रोचक पटना स्नातक सीट की माने तो, यहां बेहद दिलचस्प मुकाबला माना जा रहा है. 23 अक्टूबर को वोट डाले जायेंगे. इस सीट पर मुकाबला जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह और जेडीयू के प्रत्याशी नीरज कुमार के बीच है. अनुज सिंह का समर्थन जेडीयू के मोकामा से विधायक अनंत सिंह कर रहे हैं. ऐसे में मुख्य रूप से मुकाबला अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच ही माना जा रहा है. प्रत्याशियों के लिए किया गया प्रचार-प्रसार ऐसी संभावना जताई जा रही है कि चुनाव प्रचार के आखिरी दिन तमाम राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने प्रत्याशी की जीत के लिए ताकत झोंक देंगे. इससे पहले भी कई नेता उम्मीदवारों के लिए वोट मांगते हुए दिख चुके हैं. कहीं रैलियां की जा रही हैं तो कहीं जनसभाएं. कहीं-कहीं जनता से वन टू वन बातचीत कर कई तरह के वादे किए जा रहे हैं. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें 164 उम्मीदवार चुनावी मैदान में जानकारी के मुताबिक, चुनाव के 8 सीटों में 4 स्नातक और 4 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 164 उम्मीदवारों ने नॉमिनेशन किया है. शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में 66 उम्मीदवार जबकि स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 98 उम्मीदवार शामिल है. चुनाव को लेकर 23 अक्टूबर को वोटिंग होगी. इसके बाद 27 अक्टूबर को वोटों की गिनती होगी. किस पार्टी से कितने उम्मीदवार? एनडीए की ओर से 4 जेडीयू और 4 बीजेपी के उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं. आरजेडी की बात करें तो, 6 सीटों पर प्रत्याशी उतारे गए है. जबकि जन सुराज की बात करें तो, सभी 8 सीटों पर उम्मीदवार उतारे गिए हैं. इसके अलावा कांग्रेस और वाम दलों के उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में हैं. कई सीटों पर एक ही गठबंधन के अलग-अलग दलों के प्रत्याशियों के बीच टक्कर देखने के लिए मिल सकती है. पटना स्नातक सीट की बात करें तो, यहां जेडीयू से प्रत्याशी नीरज कुमार चुनावी मैदान में हैं. जन सुराज से अनुज सिंह, आरजेडी से दिलीप कुमार और कांग्रेस से असदुल्लाह खान के बीच मुकाबला होगा. इस सीट पर मुकाबला और भी दिलचस्प इस वजह से हो गया क्योंकि जेडीयू के विधायक अनंत सिंह जेडीयू के प्रत्याशी नीरज कुमार का समर्थन करने के बजाय जन सुराज के अनुज सिंह का कर रहे हैं. इतना ही नहीं, दोनों नेता एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप भी लगा रहे हैं.

बिहार में नवंबर के पहले हफ्ते से बढ़ेगी ठंड, छा सकता है कोहरा, सुबह-शाम महसूस हो रही ठंड

एजेंसी

पटना। बिहार में मौसम इन दिनों बदल गया है. सुबह और शाम के वक्त ठंड महसूस हो रही है. इस बीच मौसम विभाग की माने तो, नवंबर के पहले हफ्ते में ठंड बढ़ सकती है. कई इलाकों में कोहरा छाया रह सकता है. तापमान में भी गिरावट हो सकती है. बिहार से अब मॉनसून की पूरी तरह से विदाई हो गई है. किसी भी जिले में बारिश की गतिविधि देखने के लिए नहीं मिल रही है. ऐसे में अब ठंड धीरे-धीरे दस्तक दे रही है. सुबह और शाम के वक्त तापमान में थोड़ी गिरावट होने की वजह से ठंड महसूस हो रही है. लेकिन दोपहर के वक्त धूप खिल जाने की वजह से गर्मी का भी एहसास हो रहा है. बिहार में आज का मौसम मौसम विभाग की माने तो, आज किसी भी जिले में बारिश को लेकर चेतावनी जारी नहीं की गई है. ज्यादातर जिलों में मौसम साफ और शुष्क बना रहेगा. आसमान भी पूरी तरह से साफ रहेगा. किसी-किसी हिस्से में कोहरा छाया रह सकता है. लेकिन दोपहर के वक्त मौसम सामान्य रह सकता है. अगले एक हफ्ते तक मौसम इसी तरह बने रहने की संभावना जताई गई है. नवंबर से बढ़ सकती है ठंड मौसम विभाग ने यह भी संभावना जताई है कि बिहार में नवंबर के पहले हफ्ते में ठंड बढ़ सकती है. तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है. नवंबर के महीने में थोड़ी ज्यादा ठंड महसूस हो सकती है. लेकिन कड़ाके की ठंड को लेकर अब तक किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की गई है. इस तरह से आने वाले महीने में मौसम में अच्छा खासा बदलाव हो सकता है. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें क्या कहना है मौसम वैज्ञानिकों का? मौसम वैज्ञानिकों की माने तो, हिमाचल प्रदेश और पंजाब के ऊपर समुद्र तल से लगभग 3.1 किलोमीटर की ऊंचाई तक एक परिसंचरण बना हुआ है. मध्य क्षोभमंडल में एक ट्रफ भी मौजूद है. उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और इसके आसपास के इलाके में समुद्र तल से करीब 1.5 किलोमीटर ऊपर तक एक अन्य चक्रवाती परिसंचरण एक्टिव है. पटना में मौसम का हाल पटना में मौसम की बात करें तो, राजधानी में मौसम इन दिनों सामान्य बना हुआ है. किसी भी हिस्से में बारिश की गतिविधियां देखने के लिए नहीं मिल रही हैं. आज भी मौसम साफ और शुष्क बने रहने की ही संभावना जताई गई है. लेकिन दोपहर तक धूप की वजह से थोड़ी गर्मी महसूस हो सकती है. जिले का अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 20 से 24 डिग्री सेल्सियस तक बना रह सकता है.

दिवाली-छठ पर सीवान और हाजीपुर के यात्रियों को राहत, चंडीगढ़-बरौनी स्पेशल ट्रेन 23 अक्टूबर से, जानें टाइम टेबल

एजेंसी



पटना। दिवाली और छठ पर बिहार लौटने वालों के लिए चंडीगढ़-बरौनी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 23 अक्टूबर से शुरू होगी. सीवान और हाजीपुर में ठहराव के साथ दोनों दिशाओं में छह-छह फेरे लगाएगी. दीपावली और छठ पूजा पर पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ से बिहार लौटने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने राहत भरी खबर दी है. त्योहारी सीजन में ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए चंडीगढ़ और बरौनी के बीच साप्ताहिक आरक्षित त्योहार स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है. ट्रेन संख्या 04536/04535 गोरखपुर के रास्ते चलेगी और दोनों दिशाओं में छह-छह फेरे लगाएगी. खास बात यह है कि इस ट्रेन का ठहराव सीवान और हाजीपुर दोनों स्टेशनों पर होगा. इससे सारण प्रमंडल और वैशाली जिले समेत आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को त्योहार पर घर आने-जाने में सुविधा मिलेगी. 23 अक्टूबर से चंडीगढ़ से शुरू होगी स्पेशल ट्रेन पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 04536 चंडीगढ़-बरौनी साप्ताहिक त्योहार विशेष ट्रेन 23 अक्टूबर से 27 नवंबर 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को संचालित होगी. यह ट्रेन चंडीगढ़ से रात 11:45 बजे रवाना होगी और यात्रा के तीसरे दिन रात 12:30 बजे बरौनी पहुंचेगी. रास्ते में गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी समेत प्रमुख स्टेशनों पर इसका ठहराव निर्धारित किया गया है. सीवान में शाम 7:10 बजे और हाजीपुर में रात 10:05 बजे पहुंचेगी ट्रेन चंडीगढ़ से शुक्रवार की रात रवाना होने वाली ट्रेन अगले दिन शनिवार को शाम पांच बजे गोरखपुर पहुंचेगी. इसके बाद शाम 6:05 बजे देवरिया सदर और शाम 7:10 बजे सीवान जंक्शन पहुंचेगी. सीवान से आगे बढ़ने के बाद ट्रेन रात 8:30 बजे छपरा, रात 9:50 बजे सोनपुर और रात 10:05 बजे हाजीपुर पहुंचेगी. इसके बाद रात 11:02 बजे शाहपुर पटोरी होते हुए रविवार की रात 12:30 बजे बरौनी पहुंचेगी. इस ट्रेन से सीवान और वैशाली जिले के उन यात्रियों को विशेष सुविधा मिलने की उम्मीद है, जो चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में काम करते हैं और दीपावली तथा छठ पूजा पर अपने घर लौटना चाहते हैं. बरौनी से 25 अक्टूबर से प्रत्येक रविवार को होगी वापसी वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 04535 बरौनी-चंडीगढ़ साप्ताहिक त्योहार स्पेशल 25 अक्टूबर से 29 नवंबर 2026 तक प्रत्येक रविवार को चलेगी. यह ट्रेन बरौनी से रात 2:35 बजे रवाना होगी. इसके बाद सुबह 3:37 बजे शाहपुर पटोरी, सुबह 5:05 बजे हाजीपुर, सुबह 5:17 बजे सोनपुर और सुबह 7:05 बजे छपरा पहुंचेगी. छपरा के बाद ट्रेन सुबह 7:55 बजे सीवान जंक्शन पहुंचेगी. इसके बाद सुबह 8:55 बजे देवरिया सदर और सुबह 10:20 बजे गोरखपुर होते हुए चंडीगढ़ की ओर रवाना होगी. आशय शनिवार की मध्यरात्रि के बाद रविवार को 00:30 बजे है. यात्रा से पहले रेलवे की आधिकारिक समय-सारणी की पुष्टि करें. 16 कोचों की होगी ट्रेन, सभी यात्री कोच वातानुकूलित रेलवे प्रशासन के अनुसार, चंडीगढ़-बरौनी साप्ताहिक त्योहार स्पेशल ट्रेन में कुल 16 कोच लगाए जाएंगे. इनमें थर्ड एसी के 11 कोच, सेकंड एसी के तीन कोच और जनरेटर सह लगेज यान के दो कोच शामिल होंगे. इस प्रकार ट्रेन के सभी 14 यात्री कोच वातानुकूलित होंगे. ट्रेन आरक्षित श्रेणी की होगी. यात्रियों को टिकट की उपलब्धता के अनुसार आरक्षण कराना होगा. दिवाली और छठ पर घर लौटने वाले प्रवासियों को मिलेगी सुविधा त्योहारी सीजन में चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा और आसपास के राज्यों से बड़ी संख्या में बिहार के लोग अपने घर लौटते हैं. विशेष रूप से छठ पूजा के समय नियमित ट्रेनों में सीटों की मांग काफी बढ़ जाती है. ऐसे में चंडीगढ़-बरौनी त्योहार स्पेशल ट्रेन शुरू होने से सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर और आसपास के जिलों के यात्रियों को अतिरिक्त रेल सेवा का विकल्प मिलेगा. यात्रियों को सलाह दी गई है

मनेर में कांग्रेस की बैठक, डॉ. असदुल्ला खान के समर्थन में कार्यकताओं ने बनाई रणनीति

एजेंसी

पटना। स्नातक निर्वाचन के लिए मनेर में कांग्रेस की बैठक हुई. डॉ. असदुल्ला खान के समर्थन में कार्यकताओं ने चुनावी रणनीति बनाई और जनसंपर्क तेज करने पर जोर दिया. मनेर स्नातक निर्वाचन को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है. चुनाव की तैयारी के तहत पटना जिले के मनेर नगर परिषद क्षेत्र के गांधी हाट मोड़ स्थित कम्युनिटी हॉल परिसर में कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. असदुल्ला खान के समर्थन में कार्यकर्ता बैठक आयोजित की गई. बैठक में बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए. इस दौरान चुनावी रणनीति, जनसंपर्क अभियान और संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई. कार्यकताओं से जनसंपर्क तेज करने की अपील बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस नेता चौधरी ब्रह्मप्रकाश यादव ने की, जबकि संचालन अरुण आर्य ने किया. इस दौरान स्नातक उम्मीदवार डॉ. असदुल्ला खान ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पार्टी की नीतियों, विचारधारा और चुनाव से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की. उन्होंने कार्यकताओं से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ चुनावी अभियान में जुटने तथा अधिक से अधिक स्नातक मतदाताओं तक पहुंचने की अपील की. घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क बैठक में शामिल कार्यकताओं ने चुनावी रणनीति पर चर्चा करते हुए डॉ. असदुल्ला खान के समर्थन में जनसंपर्क अभियान तेज करने पर जोर दिया. कार्यकताओं के अनुसार, स्नातक मतदाताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की जा रही है. इस दौरान उन्हें उम्मीदवार और कांग्रेस पार्टी की नीतियों से अवगत कराया जा रहा है. कार्यकताओं ने चुनाव में उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया. संगठन मजबूत करने पर जोर बैठक में मौजूद नेताओं और कार्यकताओं ने चुनाव तक जनसंपर्क अभियान को और तेज करने तथा संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया. कार्यकताओं ने भरोसा जताया कि लगातार जनसंपर्क और सामूहिक प्रयासों से चुनाव में बेहतर परिणाम हासिल करने की दिशा में काम किया जाएगा.

मसौढ़ी गांधी मैदान में रावण दहन के बाद भगदड़ जैसे हालात

एजेंसी



पटना। मसौढ़ी गांधी मैदान में रावण दहन के बाद भगदड़ से 4 महिलाएं घायल हो गईं. निकास द्वार पर भीड़ का दबाव बना, एक महिला की हालत गंभीर. घटना की पूरी जानकारी. मसौढ़ी नगर स्थित गांधी मैदान में मंगलवार की शाम रावण वध समारोह संपन्न होने के बाद घर लौटने की होड़ में मुख्य निकास द्वार पर अचानक भीड़ का भारी दबाव बढ़ गया. इस दौरान कुछ महिलाएं अनियंत्रित होकर नीचे गिर पड़ीं, जिसके बाद वहां भगदड़ जैसी अफरा-तफरी मच गई. भीड़ के पैरों तले दबने से चार महिलाएं जख्मी हो गईं. इनमें से एक महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य घायलों को आसपास के निजी व स्थानीय अस्पतालों में प्राथमिक उपचार दिलाया गया. अनुमंडल प्रशासन ने भी चार महिलाओं के घायल होने की आधिकारिक पुष्टि की है. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पुतला दहन समाप्त होते ही हजारों की संख्या में लोग एक साथ मैदान से बाहर निकलने की कोशिश करने लगे. मुख्य गेट के पास सड़क की तुलना में मैदान का जमीनी स्तर नीचा होने की वजह से अचानक धक्का-मुक्की शुरू हो गई. इसी आपाधापी में आगे चल रही महिलाएं लड़खड़ाकर गिर पड़ीं और उनके ऊपर पीछे से आ रही भीड़ का दबाव बन गया. घटना के बाद चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई, सड़क पर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की चप्पलें बिखर गईं और लोग अपनों की तलाश में बदहवास नजर आए. हालात बेकाबू होते देख स्थानीय युवाओं ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तत्काल मोर्चा संभाला. युवाओं ने भीड़ में फंसी महिलाओं और रोते-बिलखते बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला. भारी भीड़ और जाम के चलते एंबुलेंस को मौके तक पहुंचने में भारी मशक्कत का सामना करना पड़ रहा था. ऐसे में स्थानीय युवकों ने घायल महिलाओं को अपनी स्कूटी पर बैठाकर तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया. सूचना मिलते ही एसडीओ धनराज कुमार और एसडीपीओ राघव दयाल मौके पर पहुंचे और युवाओं के सहयोग से मोर्चा संभालते हुए भीड़ को नियंत्रित किया, जिससे एक बड़ा हादसा समय रहते टल गया. घटना के समय बाजार से राम-जानकी का रथ भी गुजर रहा था, जिसके चलते गंभीर घायल महिला को अनुमंडल अस्पताल ले जा रही एंबुलेंस को भी रास्ते में काफी देर तक जाम में जूझना पड़ा. स्थानीय नागरिकों ने इस अव्यवस्था को लेकर आयोजन समिति और प्रशासन के इंतजामों पर कड़े सवाल खड़े किए हैं. लोगों का आरोप है कि आयोजन समिति के अधिकांश प्रशासन ने स्थिति को किया नियंत्रित हालांकि, समय रहते प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय युवाओं की सक्रियता से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया, लेकिन इस घटना ने बड़े सार्वजनिक आयोजनों में निकास प्रबंधन और आपदा सुरक्षा व्यवस्था की खामियों को उजागर कर दिया है.

बीमार नीरज कुमार से मिलने पहुंचे बिहार के सीएम और डिप्टी सीएम, साथ में मौजूद रहे संजय सरावगी

एजेंसी



पटना। मेदांता अस्पताल में नीरज कुमार का हालचाल लेते सीएम सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम विजय चौधरी और संजय सरावगी मेदांता अस्पताल में नीरज कुमार का हालचाल लेते सीएम सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम विजय चौधरी और संजय सरावगी जेडीयू एमएलसी प्रत्याशी नीरज कुमार की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें पटना के मेदांता अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम विजय चौधरी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जाना. जेडीयू के एमएलसी प्रत्याशी नीरज कुमार की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें पटना स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है. हार्ट से जुड़ी परेशानी के कारण उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां फिलहाल आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है. नीरज कुमार की तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम विजय चौधरी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी मेदांता अस्पताल पहुंचे. तीनों नेताओं ने नीरज कुमार का हालचाल जाना और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली. हार्ट से जुड़ी परेशानी के बाद अस्पताल में भर्ती मिली जानकारी के अनुसार, नीरज कुमार पहले से ही हार्ट संबंधी समस्या से जूझ रहे हैं. इसी बीच अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गयी, जिसके बाद उन्हें मेदांता अस्पताल ले जाया गया. अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है. डॉक्टरों की टीम उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रख रही है. पटना स्नातक सीट से जेडीयू के प्रत्याशी हैं नीरज कुमार नीरज कुमार पटना स्नातक सीट से जेडीयू के एमएलसी प्रत्याशी हैं. चुनावी सरगर्मी के बीच उनकी तबीयत खराब होने की खबर सामने आयी है. इस चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हैं. बताया जा रहा है कि चुनाव में नीरज कुमार को अपनी ही पार्टी के विधायक अनंत सिंह की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. अनंत सिंह जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और उनके पक्ष में वोट मांग रहे हैं. फिलहाल नीरज कुमार का मेदांता अस्पताल में इलाज जारी है. उनके स्वास्थ्य को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज हो गयी है.

मनेर में कब्रिस्तान के पास मिला 30 वर्षीय युवक का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

एजेंसी



पटना। पटना के मनेर में कब्रिस्तान के पास एक युवक का शव संदिग्ध हालत में मिला है. परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.पटना जिले के मनेर थाना क्षेत्र के ब्यापुर गांव में बुधवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब कब्रिस्तान के पास एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिला. शव मिलने की खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं. सद्दाम हुसैन उर्फ राजा के रूप में हुई मृतक की पहचान मृतक की पहचान ब्यापुर गांव निवासी जाहिद हुसैन के 30 वर्षीय पुत्र सद्दाम हुसैन उर्फ राजा के रूप में हुई है. युवक का शव मिलने की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. परिजनों ने जताई हत्या की आशंका युवक की मौत के बाद उसके परिजनों ने हत्या किए जाने की आशंका जताई है. हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई. पुलिस ने भी मौत के कारणों को लेकर कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं दिया है. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची मनेर पुलिस ब्यापुर गांव स्थित कब्रिस्तान के पास शव मिलने की सूचना पुलिस को दी गई. इसके बाद मनेर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया. पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, दानापुर भेज दिया. ग्रामीणों की भीड़ से सड़क पर आवागमन प्रभावित घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर काफी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए. अचानक भीड़ बढ़ने से सड़क पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई. कुछ समय तक लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा. युवक की संदिग्ध मौत के बाद ब्यापुर गांव में शोक का माहौल है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का चलेगा पता फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है. घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल की जा रही है.

पप्पू यादव की बिगड़ी तबीयत, अचानक आने लगा चक्कर, गिरते-गिरते बचे सांसद

एजेंसी



पटना। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव की अचानक तबीयत बिगड़ गई. एक कार्यक्रम के दौरान उन्हें चक्कर आने लगा. वे गिरते-गिरते बचे. पप्पू यादव के साथ मौजूद लोगों ने उन्हें किसी तरह संभाला. इस पूरे वाकये से जुड़ा वीडियो भी सामने आया है. जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार के बाद अब पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव की तबीतय अचानक बिगड़ गई है. वे कटिहार जिले में एक कार्यक्रम के सिलसिले में पहुंचे थे. वे कार्यक्रम का उद्घाटन करने के लिए गए थे, लेकिन तभी उन्हें अचानक चक्कर आने लगा. इस दौरान लोगों की काफी भीड़ जुटी थी. किसी तरह से लोगों ने उन्हें संभाला. इस दौरान पप्पू यादव गिरते-गिरते बचे. कार्यक्रम के उद्घाटन से पहले आया चक्कर जानकारी के मुताबिक, जिले में सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाटक होने वाला था. इसी का उद्घाटन करने के लिए पप्पू यादव को आमंत्रित किया गया. इस पूरे वाकये से जुड़े वीडियों में यह देखा गया कि पप्पू यादव के आसपास लोगों की काफी ज्यादा भीड़ जुटी थी. पप्पू यादव के हाथ में माइक भी था. लेकिन अचानक चक्कर आने की वजह से वह लड़खड़ाने लगे. इसके बाद जल्दबाजी में उनके लिए कुर्सी मंगाई गई.पूरे मामले से जुड़ा वीडियो आया सामने वीडियो में देखा गया कि पप्पू यादव हाथ से इशारा करते हुए बता रहे हैं कि उन्हें चक्कर आ रहा है. इसके बाद सांसद के सिर पर पानी डाला गया. कुछ देर बाद उन्हें थोड़ी राहत मिलती है. पप्पू यादव की तबीयत खराब होने की वजह से उन्हें कार्यक्रम से वापस लौट आना पड़ा. बताया जा रहा है कि दुर्गा पूजा को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. पप्पू यादव ने माता रानी का दर्शन किया था. इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ी. नीरज कुमार की भी बिगड़ी थी तबीयत इससे पहले मंगलवार को जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार की भी तबीयत खराब होने की खबर सामने आई थी. बताया गया था कि सोमवार की रात ही उन्हें हार्ट अटैक आया था. इसके बाद नीरज कुमार को मेदांता अस्पताल ले जाया गया. यहां उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया. बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने अस्पताल जाकर नीरज कुमार से मुलाकात कर उनका हालचाल भी जाना था.

बोचहां में तीन जगहों पर हुआ रावण दहन, जय श्रीराम के नारों से गूंजा पूरा इलाका

एजेंसी

पटना। बोचहां प्रखंड में दशहरा पर रावण दहन धूमधाम से हुआ। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक, जय श्रीराम के नारों से गूंजा इलाका। रावण दहन बोचहाः विजयादशमी के पावन पर्व पर मंगलवार को बोचहां प्रखंड क्षेत्र में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक रावण दहन धूमधाम से संपन्न हुआ. प्रखंड क्षेत्र के तीन अलग-अलग स्थानों पर वैदिक विधि-विधान और परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना के बाद रावण के विशालकाय पुतलों में आग लगाई गई. रावण का दहन होते ही पूरा इलाका भगवान श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा. इस दौरान मेले जैसा माहौल रहा और दृश्य देखने के लिए ग्रामीणों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा. मैदापुर के शुक्र हाट बाजार में पूजा-अर्चना के बाद दहन बोचहां थाना क्षेत्र की मैदापुर पंचायत स्थित प्रसिद्ध शुक्र हाट बाजार में दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में रावण दहन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत में पूजा समिति के अध्यक्ष संजय कुमार चौधरी ने विधिवत मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धापूर्वक पूजा संपन्न की. इसके पश्चात प्रतीकात्मक रूप से तीरों की वर्षा कर रावण के पुतले को धू-धू कर जला दिया गया. इस दौरान हजारों दर्शकों ने जयकारे लगाकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया. बरहेता और बलुआहां में भी उमड़ा जनसैलाब मैदापुर के अलावा प्रखंड के दो अन्य प्रमुख ग्रामीण इलाकों में भी परंपरागत तरीके से पुतला दहन किया गयाः बरहेता गांव (भुताने पंचायत): यहां बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने पहुंचकर रावण दहन का आकर्षक नजारा देखा. बलुआहां (नरकटिया पंचायत): यहां भी ग्रामीणों ने पूरे उत्साह और उल्लास के साथ उत्सव में भागीदारी निभाई.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने रचा इतिहास

सोशल इम्पैक्ट बॉण्ड लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना मध्यप्रदेश : राज्यमंत्री गौर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने युवा कल्याण और नवाचार की दिशा में एक नया और अभूतपूर्व इतिहास रचा है। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, मुंबई स्थित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज परिसर में आयोजित समारोह में भारत की सर्वप्रथम 'सोशल इम्पैक्ट बॉण्ड फ्रेमवर्क परियोजना' के अंतर्गत एनएसई-सोशल स्टॉक एक्सचेंज प्लेटफॉर्म पर आधिकारिक लिस्टिंग, बेल-रिंगिंग सेरेमनी एवं त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए गए। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि प्रदेश और विभाग के लिए यह अत्यंत गौरवशाली विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप सामाजिक कल्याण योजनाओं के पारदर्शी एवं प्रभावी वित्तीय प्रबंधन के लिए सोशल स्टॉक एक्सचेंज का सफल क्रियान्वयन करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला और अग्रणी राज्य बन गया है। मध्यप्रदेश शासन का पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग इस अभिनव सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड वित्तीय मॉडल के माध्यम से छात्रों के कल्याण की दिशा में कदम उठाने वाला देश का पहला विभाग बना है। राज्य मंत्री श्री गौर ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन, नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, नाबार्ड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के संयुक्त एवं समन्वित प्रयासों से यह महत्वाकांक्षी परियोजना साकार हुई है। योजना के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में निवासरत अन्य पिछड़ा वर्ग के 600 होनहार युवाओं को (300 युवा जापान एवं 300 युवा जर्मनी) गुणवत्तापूर्ण आवासीय कौशल प्रशिक्षण, संबंधित



देश की भाषा का गहन ज्ञान एवं विशिष्ट व्यावसायिक प्रदान कर विकसित देशों में अंतर्राष्ट्रीय रोजगार के स्वर्णिम अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस परियोजना के इश्यू को निवेशकों द्वारा ओवर-सब्सक्राइब किया जाना इसकी विश्वसनीयता और जन-विश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। युवाओं को वैश्विक मंच पर गरिमापूर्ण रोजगार मिलने से उनमें आत्म-गौरव, आत्मविश्वास एवं स्वावलंबन की भावना सुदृढ़ होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विजन के अनुरूप, इस पूरी परियोजना का वित्तीय प्रबंधन सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर पंजीकृत जीरो कूपन जीरो प्रिंसीपल इंस्ट्रूमेंट के जरिए किया जा रहा है। यह योजना पूर्णतः परिणाम-आधारित है, जिसमें कुल प्रशिक्षण शुल्क का 50 प्रतिशत भाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा आउटकम फण्डर के रूप में वहन किया जाएगा, 35 प्रतिशत भाग सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड के माध्यम से प्रबंधित होगा, तथा शेष 15 प्रतिशत राशि संबंधित ओबीसी हितग्राही युवा द्वारा वहन की जाएगी। योजना की पारदर्शिता और सुदृढ़ता सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकृत स्वतंत्र थर्ड पार्टी द्वारा %सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट% (सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन) किया जाएगा। सकारात्मक मूल्यांकन रिपोर्ट मिलने और संबंधित युवा के सफलतापूर्वक विदेश में रोजगार प्राप्त कर लेने पर ही राज्य शासन द्वारा एनएसडीसी को 50 प्रतिशत राशि का भुगतान किया जाएगा; अन्यथा राज्य सरकार पर कोई वित्तीय भार देय नहीं होगा और संपूर्ण वित्तीय जोखिम एनएसडीसी (रिस्क फण्डर) का होगा। इस दूरदर्शी दृष्टिकोण और नवोन्मेषी प्रयास से प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के युवाओं को वैश्विक पटल पर पहचान मिलेगी और मध्यप्रदेश कौशल विकास एवं युवा कल्याण के क्षेत्र में पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करेगा।



वेस्टर्न रीजन में सबसे कम ट्रांसमिशन लॉस के लिए प्रदेश को लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय सम्मान : ऊर्जा मंत्री तोमर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) को वेस्टर्न रीजन में सबसे कम ट्रांसमिशन लॉस (2.60 प्रतिशत) दर्ज करने के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पावर लाइन ट्रांसटेक इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। कंपनी को यह सम्मान लगातार दूसरे वर्ष प्राप्त हुआ है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने इस उपलब्धि पर एमपी ट्रांसको के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान प्रदेश की सुदृढ़ विद्युत ट्रांसमिशन व्यवस्था, तकनीकी दक्षता, नवाचारों और निरंतर सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ट्रांसमिशन लॉस को न्यूनतम रखते हुए निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। एमपी ट्रांसको की ओर से अतिरिक्त मुख्य अभियंता आरसी शर्मा एवं वसंत कर्नाड ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय से मान्यता प्राप्त इस प्रतिष्ठित मंच से दिया जाने वाला यह पुरस्कार पावर सेक्टर की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका पावर लाइन द्वारा स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य भारतीय विद्युत ट्रांसमिशन क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाली विद्युत कंपनियों को प्रोत्साहित करना है। वेस्टर्न रीजन में मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़ और गोवा सहित पांच राज्य शामिल हैं। इसके अलावा, केंद्रशासित प्रदेश दमन एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली भी इस क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

औद्योगिक लीडर्स से स्थानीय स्तर पर नव-उद्यमियों को मार्गदर्शन देने का आह्वान

प्रदेश में निवेश की संभावना वाले सभी क्षेत्रों को भरपूर प्रोत्साहन-मंत्री काश्यप

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

एमएसएमई मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। यहां औद्योगिक क्षेत्र ही नहीं बल्कि निवेश की संभावना वाले सभी क्षेत्रों को विकसित करने के साथ ही प्रोत्साहन देने का काम किया जा रहा है। मध्यप्रदेश का औद्योगिक वातावरण तेजी से बदल रहा है। हम प्रदेश में उद्योग अनुकूल वातावरण बनाने में सफल रहे है और इसमें एमएसएमई क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का भी बड़ा योगदान रहा है। मंत्री श्री काश्यप गुरूवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में फेडरेशन ऑफ एम.पी. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंण्डस्ट्री के विकसित भारत उद्योग व्यापार सम्मेलन का दीप प्रज्जविलित कर शुभारंभ करने के बाद औद्योगिक संगठनों और उद्यमियों को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में मध्यप्रदेश के अलावा अन्य राज्यों और विदेशी प्रतिनिधि मंडलों से भी हिस्सा लिया। उन्होंने आहवान किया कि वे औद्योगिक लीडर स्थानीय स्तर पर प्रकोष्ठ गठित कर नव उद्यमियों का मार्गदर्शन करें। राज्य शासन की सब्सिडी योजना का उल्लेख करते हुए श्री मंत्री काश्यप ने कहा कि किसी



भी उद्योग के लिए प्रारंभिक दो वर्ष बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। इसी समय उन्हें सहायता की जरूरत होती है। सहायता नहीं मिलने पर उद्योग लड़खड़ा जाते हैं। इसी को दृष्टिगत हमने प्रोत्साहन दिया और मध्यप्रदेश में मई 2026 तक के सभी प्रकरणों की सब्सिडी वितरित कर दी है। इसका उद्योग जगत में अच्छा प्रभाव हुआ है। एमएसएमई मंत्री श्री काश्यप ने ग्वालियर के टेलीकॉम बावई मोहासा का गैर परम्परागत ऊर्जा संयंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में सभी तरह के उद्योगों के लिए दरवाजे खुले हैं। उन्होंने आलीराजपुर में स्थापित हो रहे रोबोटिक कटिंग प्लांट का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पिछड़े क्षेत्र में 40-45 फेब्रिकेटर्स है, जो अलमारी, फर्नीचर, पलंग बनाने का काम करते हैं, उन्हें इंदौर अथवा दाहौद से सीट लाना पड़ता है परंतु अब इस प्लांट के लगने से आलीराजपुर में ही कटी हुई सीट उपलब्ध होंगी। धार में आलू चिप्स बनाने का बड़ा काम होता है। इसके कारण वहां प्रदूषण की बड़ी समस्या है। इसे दूर करने के लिए बड़ा ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जा रहा है।

मंत्री श्री काश्यप ने सम्मेलन में दूर-दराज क्षेत्रों से आए उद्यमियों से करीब 1-30 घंटे तक वन-टू-वन बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और उनके समाधान बताए। प्रारंभ में फेडरेशन के चेयरमेन हिमांशु खरे ने स्वागत भाषण दिया। उनके अलावा सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री स्वतंत्र कुमार सिंह और एमएसएमई के सचिव श्री जॉन किंग्सले ने संबोधित कर उद्यमियों को हर तरह की सहायता का भरोसा दिलाया।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई

झाबुआ पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरणों में अवैध रूप से उगाए जा रहे 607.09 किलोग्राम गांजे के पौधे जब्त किए

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के निर्देशन में प्रदेश में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त नेटवर्क को ध्वस्त करने, अवैध खेती एवं तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा मादक पदार्थों के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में झाबुआ पुलिस ने अवैध गांजा खेती के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए थाना कालीदेवी एवं थाना पेटलावद क्षेत्र में दो अलग-अलग प्रकरणों में कुल 607.09 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 60 लाख 30 हजार 825 रुपये है। थाना कालीदेवी पुलिस को अवैध रूप से गांजा की खेती किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा संबंधित खेत में दबिश देकर तुवर एवं कपास की फसल के बीच अवैध रूप से उगाए गए 240 गांजे के पौधे, जिनका कुल वजन 80.15 किलोग्राम, जब्त किए गए। जब्त



गांजे की अनुमानित कीमत 7 लाख 61 हजार 425 रुपये है। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

थाना पेटलावद क्षेत्र में 526.94 किलोग्राम गांजे के पौधे जब्त, आरोपी गिरफ्तार

थाना पेटलावद क्षेत्र में पुलिस टीम द्वारा सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कपास एवं तुवर की फसल के बीच से, माही नदी के पास स्थित खेत में मक्का की कड़ब के नीचे से एवं आरोपी के घर से कुल 526.94 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त किया गया। कार्रवाई में कुल 1,512 गांजे के पौधे जब्त किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 52 लाख 69 हजार 400 रुपये है। प्रकरण में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की अवैध खेती, तस्करी एवं कारोबार के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है। पुलिस द्वारा नशे के अवैध नेटवर्क की पहचान कर उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई के साथ-साथ नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

ओवायटी योजना से किसान को मिला स्थायी कृषि बिजली कनेक्शन

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित संपर्क अभियान 2026 के अंतर्गत रायसेन ग्रामीण वितरण केंद्र द्वारा ग्राम बम्होरी (पठारी) में आयोजित संपर्क अभियान के दौरान किसान श्री संजय कुशवाह की वर्षों पुरानी बिजली संबंधी समस्या का स्थायी समाधान किया गया। कंपनी के

प्रतिवर्ष लगभग 24 हजार रूपये की होगी बचत

अधिकारियों ने उन्हें ओवायटी (ओन योर ट्रांसफार्मर) योजना की जानकारी देकर स्थायी कृषि बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया, जिससे उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 24 हजार रूपये की बचत होगी। संपर्क अभियान 2026 के दौरान अधिकारियों ने घर-घर पहुंचकर उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याएं सुनीं तथा विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इसी दौरान किसान श्री संजय कुशवाह ने बताया कि उनके कृषि पंप की दूरी विद्युत नेटवर्क से अधिक होने के कारण उन्हें प्रत्येक वर्ष दो बार अस्थायी कृषि बिजली कनेक्शन लेना पड़ता था, जिस पर लगभग 24 हजार रूपये का अतिरिक्त व्यय होता था।

कंपनी के अधिकारियों ने उन्हें ओवायटी योजना के लाभों से अवगत कराया। योजना की जानकारी प्राप्त करने के बाद श्री कुशवाह ने लगभग 1.40 लाख रूपये की लागत से ट्रांसफार्मर स्थापित कर स्थायी कृषि बिजली कनेक्शन प्राप्त किया। इसके साथ ही उनकी वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान हो गया। अब उन्हें प्रत्येक कृषि सीजन में अस्थायी कनेक्शन लेने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 24 हजार रूपये की बचत होगी। साथ ही स्थायी बिजली कनेक्शन मिलने से किसान को रबी सीजन में मटर, चना और गेहूं जैसी फसलों की सिंचाई करने में सुविधा मिलेगी, जिससे कृषि कार्य भी अधिक सुगमता एवं दक्षता से संचालित हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान : वार्ड 45 में लगेगा जनकल्याण शिविर

नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के साथ शासकीय संस्थानों की व्यवस्थाओं का भी होगा निरीक्षण

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान -2026 के अंतर्गत भोपाल नगर निगम के जोन क्रमांक-10, वार्ड क्रमांक-45, इंदिरा गांधी वार्ड में 23 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से जनकल्याण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में नागरिकों की समस्याओं के निराकरण और पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पहुँचाने की कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के अंतर्गत वार्ड में स्थित शासकीय संस्थानों के निरीक्षण के लिए 11 अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस संबंध में अपर कलेक्टर, भोपाल द्वारा आदेश जारी किया गया है। अधिकारी विधानसभा क्षेत्र मध्य के अंतर्गत आने वाले इस वार्ड में आंगनवाड़ी केंद्रों, शासकीय विद्यालयों, उचित मूल्य की दुकानों, छात्रावासों तथा अन्य शासकीय संस्थानों की व्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली का निरीक्षण करेंगे। संस्थानों का सत्यापन जिला जीआईएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाएगा। निरीक्षण के लिए खाद्य, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, स्वास्थ्य, उद्यानिकी, नापतौल, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास, शिक्षा, लोक निर्माण तथा मत्स्य विभाग के अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का आयोजन 7 अगस्त, 2026 से 8 जनवरी, 2027 तक किया जाना निर्धारित है। अभियान का उद्देश्य अधिकारियों के क्षेत्रीय भ्रमण के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का निराकरण, शासकीय संस्थानों की व्यवस्थाओं में सुधार तथा शासकीय सेवाओं की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

विद्युत भार (लोड) स्वीकृत करवायें एवं जुर्माने से बचें...

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा इन दिनों निम्नदाब के गैर घरेलू और औद्योगिक (पॉवर) उपभोक्ताओं के परिसरों का व्यापक चेकिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के दौरान उपभोक्ता परिसर में विद्युत भार (लोड) में वृद्धि के प्रकरण पकड़े जा रहे हैं। कंपनी द्वारा विद्युत भार की वृद्धि स्वेच्छा से कराने के लिए उपभोक्ताओं को जागरूक करने का अभियान इन दिनों चलाया जा रहा है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे कंपनी के पोर्टल पर स्वेच्छिक ऑनलाइन आवेदन कर भार वृद्धि करा लें। कंपनी ने उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए इस संबंध में कुछ जानकारी साझा की है।

बिजली कंपनी में नवीन कनेक्शन के लिए जब कोई व्यक्ति अधिकृत आवेदन देता है तो उसके परिसर में भार (लोड) की गणना कर भार निर्धारित किया जाता है। इस प्रक्रिया में नया कनेक्शन देने के लिए बिजली कर्मचारी परिसर का लोड सर्वे करते हैं। यह भार (लोड) विद्युत प्रणाली में जोड़ा जाता है, इसलिए इसे संयोजित भार या कनेक्टेड लोड कहा जाता है। उपभोक्ता को बिजली कंपनी के साथ सहयोग कर भार की सही गणना कराना चाहिए ताकि विद्युत प्रणाली सुचारू रूप से संचालित की जा सके। उपभोक्ता द्वारा परिसर में कनेक्शन लेने के कुछ अन्तराल बाद कुछ नये विद्युत उपकरणों को स्थापित कर भार बढ़ा लिया जाता है। यह बढ़ा भार बिजली कंपनी के कार्यालय में यदि स्वीकृत नहीं कराया जाता है तो चेकिंग के दौरान भार वृद्धि का प्रकरण बन जाता है और उपभोक्ता को जुर्माना भरना पड़ता है। यदि उपभोक्ता के परिसर में भार वृद्धि का प्रकरण मिलता है तो ऐसे उपभोक्ताओं पर जुर्माना लगाने का प्रावधान है। इसके अनुसार बढ़े हुए भार की अनुपातिक खपत पर दो गुनी दर से शुल्क वसूली का प्रावधान है। साथ ही विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 के अंतर्गत भी चैकिंग में अतिरिक्त भार पाए जाने पर ऐसे अतिरिक्त भार को संयोजित करने की दिनांक से बढ़े हुए भार की अनुपातिक खपत पर दुगुनी दर से पेनाल्टी लगाने का प्रावधान है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अपने सभी सम्माननीय उपभोक्ताओं से अपील करती है कि वे आनलाइन सुविधा का लाभ लेकर अपने परिसर के वास्तविक भार के अनुसार अपना संयोजित भार स्वीकृत करवायें।

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने लाल परेड ग्राउंड से हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

राष्ट्रीय एकता दिवस एवं नशामुक्ति का संदेश लेकर मध्यप्रदेश से रवाना हुआ 7 सदस्यीय बाइक दल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में सहभागिता तथा राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और नशामुक्त समाज का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस का 7 सदस्यीय बाइक राइडर्स दल आज भोपाल से रवाना हुआ। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने लाल परेड ग्राउंड, भोपाल में आयोजित समारोह में हरी झंडी दिखाकर बाइक रैली को रवाना किया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (ष्टक्रक्क्न) के समन्वय में आयोजित इस राष्ट्रव्यापी बाइक रैली में जोन-2 सेंट्रल के अंतर्गत बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्यप्रदेश, ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल तथा जोन-4 नॉर्थ ईस्ट के अंतर्गत त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, असम एवं सिक्किम के प्रतिभागी शामिल हैं। मध्यप्रदेश सहित कुल 14 राज्यों के 146 बाइक राइडर्स लगभग 2,500 किलोमीटर की यात्रा कर भोपाल पहुंचे हैं। यहां से रैली दल निर्धारित मार्ग से आगे बढ़ते हुए 26 अक्टूबर 2026 को गुजरात के एकता नगर पहुंचेगा और 31 अक्टूबर 2026 को आयोजित मुख्य राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह एवं परेड में सहभागिता करेगा। रैली का प्रमुख संदेश 'स्नद्वदद्धह्ल द्दड्डद्वठ्ठह्यह्ल ष्ठद्दह्लद्वद्द्य' है। प्रतिभागी अपने निर्धारित मार्ग से गुजरते हुए विभिन्न शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों, विशेषकर युवाओं को मादक पदार्थों के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करेंगे। फ्लैग-ऑफ समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि यह मोटरसाइकिल रैली केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, अनुशासन, साहस और नशे के विरुद्ध जनजागरण का राष्ट्रव्यापी संदेश है। मध्यप्रदेश की धरती से विभिन्न राज्यों की पुलिस के अधिकारी एवं जवान एक साझा उद्देश्य के साथ अपनी यात्रा प्रारंभ कर रहे हैं, यह प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। मकवाणा ने कहा कि माननीय



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के नेतृत्व में दिसंबर 2029 तक देश को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में पुलिस बलों के साथ समाज की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बाइक रैली इस अभियान को और व्यापक जनसमर्थन प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि भारत की एकता और अखंडता का उल्लेख होते ही लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल का स्मरण होता है। स्वतंत्रता के बाद अनेक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत के निर्माण में सरदार पटेल की ऐतिहासिक भूमिका रही। उनका जीवन दृढ़ इच्छाशक्ति, राष्ट्र के प्रति समर्पण और सामूहिक प्रयासों की प्रेरणा देता है। उनकी जयंती 31 अक्टूबर को देशभर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। मकवाणा ने कहा कि एकता नगर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के माध्यम से देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय गौरव के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित की जाएगी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश का हॉक फोर्स कंटिंजेंट और मध्यप्रदेश पुलिस बैंड भी गुजरात में आयोजित परेड में सहभागिता करेंगे। बाइक रैली के प्रतिभागी भी वहां पहुंचकर इस गरिमामयी आयोजन का हिस्सा बनेंगे। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि मादक पदार्थों का अवैध कारोबार समाज और विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए गंभीर चुनौती है। युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से बचाने और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए पुलिस के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। बाइक रैली जब विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरेगी, तब इसके माध्यम से नशे के विरुद्ध जागरूकता का संदेश व्यापक स्तर पर पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 'नशे से दूरी है जरूरी' संदेश के साथ मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ-साथ व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

बच्चे के पैर में हमेशा रहता है दर्द? कहीं ये कमजोर हड्डियों का लक्षण तो नहीं, डॉक्टर ने बताया



हड्डियों का कमजोर होना बढ़ती उम्र की समस्या ही नहीं है. बच्चों को भी ये हो सकता है. बच्चे के पैरों में हमेशा दर्द या सूजन आ जाती है तो ये कमजोरी का लक्षण हो सकता है. डॉक्टर से जानें...

बच्चों की अच्छी सेहत सिर्फ उनकी लंबाई और वजन बढ़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी हड्डियों, मांसपेशियों और जोड़ों का सही विकास भी उतना ही अहम है. बचपन में हड्डियों का मजबूत होना आगे चलकर बेहतर शारीरिक क्षमता और हेल्दी लाइफ की नींव रखता है. हालांकि, कई बार माता-पिता बच्चों के पैरों में दर्द, चलते समय लंगड़ाने, बार-बार गिरने या शारीरिक गतिविधियों से बचने जैसे लक्षणों को सामान्य विकास का हिस्सा मानकर नजरअंदाज कर देते हैं.बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली के चेयरपर्सन, पीडियाट्रिक डिपार्टमेंट डेवलपमेंट एवं प्रिंसिपल डायरेक्टर पीडियाट्रिक्स, डॉ. विवेक जैन इसे एक बड़ी समस्या बताते हैं. उनके मुताबिक ये हड्डियों के कमजोर होने का लक्षण है. जानें इसके बारे में डॉक्टर कहते हैं कि बच्चों के शारीरिक विकास के दौरान उनकी हड्डियों और जोड़ों की सेहत पर खास ध्यान देना जरूरी है. सही न्यूट्रिएंट्स लेना, धूप लेना, खेलकूद और समय-समय पर हेल्थ चेकअप के जरिए हड्डियों के बेहतर विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है.

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

बच्चों में हड्डियों और जोड़ों से संबंधित समस्याएं कई रूपों में सामने आ सकती हैं. लगातार दर्द, जोड़ों में सूजन, चलने में परेशानी, लंगड़ाना, हाथ-पैरों की गतिविधियों में कमी या किसी अंग के आकार अथवा बनावट में असामान्यता ऐसे संकेत हैं, जिन पर माता-पिता को ध्यान देना चाहिए. अगर बच्चा किसी खास एक्टिविटी से बार-बार बचता है या पहले की तुलना में कम एक्टिव हो गया है, तो इसके पीछे दर्द या शारीरिक परेशानी भी कारण हो सकती है.हालांकि, हर बार पैरों में दर्द किसी गंभीर बीमारी का संकेत नहीं होता. लेकिन लगातार बने रहने वाले दर्द, एक ही जगह पर दर्द, सूजन या चलने में परेशानी होने पर डॉक्टर से सलाह लेनी जरूरी है. अगर बच्चा अचानक चलने में असमर्थ हो जाए, उसे तेज दर्द हो या जोड़ों में सूजन के साथ बुखार आए, तो तत्काल चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए.

सही पोषण से मजबूत होंगी हड्डियां

हड्डियों को हेल्दी रखने के लिए उनके डाइट में दूध, दही, पनीर, रागी, तिल, दालें और दूसरी खाने की चीजें शामिल की जा सकती हैं. विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है, इसलिए इसकी पर्याप्त मात्रा भी जरूरी है. बच्चों में विटामिन डी या कैल्शियम की कमी की आशंका होने पर डॉक्टर की सलाह से जांच और आवश्यक उपचार कराया जाना चाहिए. बिना चिकित्सीय सलाह के सप्लीमेंट देना उचित नहीं है.इसके अलावा, बच्चों को लंबे समय तक मोबाइल, टेलीविजन या अन्य स्क्रीन के सामने बैठने के बजाय फिजिकल एक्टिविटी के लिए भेजना चाहिए. उम्र के अनुसार नियमित शारीरिक गतिविधि से मांसपेशियां मजबूत होती हैं, शरीर का संतुलन बेहतर होता है और हड्डियों के विकास को सहारा मिलता है.

बढ़ती उम्र के साथ सही निगरानी भी जरूरी

बच्चों में कुछ बोन्स और जॉइंट से जुड़ी समस्याएं जन्म से मौजूद हो सकती हैं, जबकि कुछ विकास के दौरान सामने आती हैं. पैरों का असामान्य रूप से मुड़ना, चाल में बदलाव, पैरों की लंबाई में स्पष्ट अंतर या शारीरिक विकास में असामान्यता दिखने पर विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए. इसी तरह, खेलकूद के दौरान लगी चोट को केवल सामान्य दर्द समझ कर लंबे समय तक टालना भी उचित नहीं है.

सऊदी अरब पर हूती जाल



अब्दुल-मलिक अल-हूती 2004 से आंदोलन के नेता हैं। वे हुसैन अल-हूती के छोटे भाई हैं, जिन्होंने इस आंदोलन की स्थापना की थी। अंसार अल्लाह के नाम से जाना जाने वाला यह समूह यमन के उत्तरी सादा क्षेत्र में ज़ैदी शिया समुदायों के बीच उभरा। इसके उदय के पीछे स्थानीय शिकायतें, केंद्र सरकार का विरोध और सुन्नी-सलाफ़ी प्रभाव से टकराव थे, केवल ईरान का निर्देश नहीं। नक्शे देखेंयमन के हूतियों के साथ सऊदी अरब का नया टकराव दिखाता है कि हवाई ताकत की सीमाएं हैं, खासकर ऐसे लचीले आंदोलन के सामने जिसकी जड़ें स्थानीय राजनीति, भूभाग और विचारधारा में हैं। अब्दुल-मलिक अल-हूती के नेतृत्व वाला यह समूह अपेक्षाकृत कम लागत पर हवाई अड्डों और जहाज़ों के लिए खतरा पैदा कर सकता है। इससे रियाद के सामने दुविधा है कि जवाबी कार्रवाई करे या तनाव बढ़ने, नागरिकों को होने वाले नुकसान और एक और अंतहीन युद्ध का जोखिम उठाए।सऊदी अरब 2015 में यमन के युद्ध में इस मकसद से उतरा था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को बहाल किया जाए और अपनी दक्षिणी सीमा पर एक शत्रुतापूर्ण आंदोलन को मज़बूत होने से रोका जाए। वर्षों के हवाई हमलों, नाकेबंदी और गठबंधन युद्ध के बावजूद यह लक्ष्य हासिल नहीं हुआ। नक्शे देखेंअब हूतियों द्वारा सऊदी हवाई अड्डों और समुद्री यातायात पर नए हमलों की खबरें एक खतरनाक उलटफेर की ओर इशारा करती हैं। राज्य एक बार फिर ऐसे प्रतिद्वंद्वी का सामना कर रहा है जिसे वह रोक नहीं पाया, जबकि निर्णायक जीत की संभावना दूर बनी हुई है।दांव बहुत ऊंचे हैं। 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से हुए संघर्षविराम के बाद शांत पड़ा यह क्षेत्रीय संघर्ष फिर तेज़ हो गया है। हूती सऊदी ठिकानों और बाब अल-मंदब जलडमरूमध्य के पास व्यावसायिक जहाज़ों को निशाना बना रहे हैं। यह जलडमरूमध्य लाल सागर और अदन की खाड़ी के बीच का अहम रास्ता है।

हूती आंदोलन

अब्दुल-मलिक अल-हूती 2004 से आंदोलन के नेता हैं। वे हुसैन अल-हूती के छोटे भाई हैं, जिन्होंने इस आंदोलन की स्थापना की थी। अंसार अल्लाह के नाम से जाना जाने वाला यह समूह यमन के उत्तरी सादा क्षेत्र में ज़ैदी शिया समुदायों के बीच उभरा। इसके उदय के पीछे स्थानीय शिकायतें, केंद्र सरकार का विरोध और सुन्नी-सलाफ़ी प्रभाव से टकराव थे, केवल ईरान का निर्देश नहीं।भाई की मृत्यु के बाद अल-हूती आंदोलन के केंद्रीय राजनीतिक, धार्मिक और सैन्य चेहरे बन गए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंध-सारांश के अनुसार, हूती बलों ने सितंबर 2014 में सना पर कब्ज़ा किया और अगले जनवरी में यमन की सरकार को हटाने की कोशिश की।

हूती विचारधारा

आंदोलन की विचारधारा ज़ैदी धार्मिक पहचान, यमनी राष्ट्रवाद और अमेरिका तथा इज़रायल के विरुद्ध प्रतिरोध की व्यापक भाषा को जोड़ती है। इसके नेता अपने संघर्ष को विदेशी हस्तक्षेप और उत्पीड़न के विरुद्ध रक्षा के रूप में प्रस्तुत करते हैं और अपनी क्षेत्रीय छवि को बढ़ाने के लिए फ़िलिस्तीनियों के समर्थन का इस्तेमाल करते हैं।यह प्रस्तुति यमन से बाहर भी असर डाल सकती है, लेकिन यह जटिल राजनीतिक संघर्षों को सभ्यताओं के टकराव में सीमित कर देती है। विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि हूती संदेश अक्सर व्यापक रूप से इस्लाम का हवाला देते हैं, जबकि आंदोलन की विशिष्ट धार्मिक जड़ें ज़ैदी हैं। इसकी बयानबाज़ी में यहूदी-विरोधी धारणाएं भी शामिल रही हैं। न इसके राजनीतिक दावों को और न इसके कार्यों को इस्लाम या समस्त यमनियों का प्रतिनिधि माना जाना चाहिए।

हूती सैन्य अभियान

सऊदी अरब की सैन्य बढ़त ज़मीन पर नियंत्रण में नहीं बदल पाई। हूती उत्तर के दुर्गम पहाड़ी इलाकों से काम करते हैं, स्थानीय समुदायों में रचे-बसे नेटवर्क रखते हैं और उन्होंने विद्रोह तथा असममित युद्ध का अनुभव विकसित किया है। मिसाइलों और ड्रोनों के सहारे वे राज्य की पारंपरिक सेना की बराबरी किए बिना दूर के बुनियादी ढांचे को खतरे में डाल सकते हैं। नक्शे देखेंसऊदी वायु-रक्षा प्रणालियां हमलों को रोक भी लें, तब भी लगातार चौकसी, व्यवधान और अनिश्चितता की कीमत बनी रहती है। तकनीकी रूप से श्रेष्ठ सेना प्रक्षेपण स्थलों को नष्ट कर सकती है, लेकिन हर हथियार की पहचान करना, हर प्रक्षेपण को रोकना या आसमान से राजनीतिक समाधान थोप देना उसके लिए आसान नहीं।

सऊदी अरब के लिए दलदल

इसी असंतुलन ने रियाद को दलदल में खींच लिया है। शुरुआती हस्तक्षेप सीमित और निर्णायक होना था। इसके बजाय वह बदलते गठबंधनों, भारी नागरिक क्षति और बिना स्पष्ट सैन्य अंतिम लक्ष्य वाला लंबा संघर्ष बन गया। हवाई शक्ति और नाकेबंदी दबाव बना सकती थीं, लेकिन उन्होंने उन शिकायतों को भी गहरा करने का जोखिम उठाया जिनका इस्तेमाल हूती भर्ती और लामबंदी के लिए करते रहे हैं।सऊदी नेतृत्व के सामने जानी-पहचानी दुविधा है या तो तनाव बढ़ाए और हवाई अड्डों, ऊर्जा संपत्तियों तथा जहाज़ों पर जवाबी हमलों का जोखिम उठाए, या समझौते की राह चुने जो हूतियों को मज़बूत और जमा हुआ छोड़ सकता है। हाल की रिपोर्टिंग में उद्धृत विश्लेषक दोनों विकल्पों को कठिन बताते हैं, खासकर नागरिक बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों के बाद।इसकी कीमत युद्धक्षेत्र से आगे तक जाती है। यमन की आबादी ने वर्षों तक विस्थापन, खाद्य असुरक्षा और क्षतिग्रस्त स्वास्थ्य सेवाओं को झेला है। नए सिरे से हो रही लड़ाई पहले से गंभीर मानवीय संकट को और बढ़ाने का खतरा पैदा करती है। समुद्री हमलों के नतीजे भी यमन से कहीं दूर तक पहुंचते हैं। बाब अल-मंदब का रास्ता यूरोप और एशिया के बीच जहाज़रानी को जोड़ता है, और उसमें बाधा से बीमा तथा परिवहन लागत बढ़ सकती है, माल की आपूर्ति में देरी हो सकती है और ऊर्जा बाज़ार अस्थिर हो सकते हैं।एक घरेलू युद्ध को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए खतरे में बदल देने की हूतियों की क्षमता उन्हें उनकी पारंपरिक सैन्य ताकत से कहीं ज़्यादा प्रभाव देती है। करियर देखेंक्षेत्रीय राजनीति सऊदी गणनाओं को और जटिल बनाती है। हूतियों के साथ ईरान का रिश्ता तेहरान को एक प्रतिद्वंद्वी पर दबाव डालने और अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर देता है, हालांकि आंदोलन की अपनी यमनी जड़ें और हित हैं। इसे सीधे ईरान का छद्म बताना उसकी स्वायत्तता को नज़रंदाज़ करना है।सऊदी अरब का नया अभियान उसकी साझेदारियों की भी परीक्षा लेता है। पहले फ्रांस और ब्रिटेन ने सैन्य सहयोग की पेशकश की थी, जबकि अमेरिका ने कथित तौर पर सीधी भागीदारी से परहेज़ किया और प्रतिस्पर्धी सैन्य ज़रूरतों के बीच नियोजित हमले रद्द कर दिए। रियाद को बुनियादी ढांचे की रक्षा में मदद मिल सकती है, लेकिन बाहरी साझेदारों की एक और अंतहीन मुहिम में खिंचने की कोई इच्छा नहीं दिखती।

धार्मिक पहलू

धार्मिक पहलू पर सावधानी ज़रूरी है, खासकर जब यमन की तुलना सीरिया से की जाए। इस्लाम इनमें से किसी भी संघर्ष की एकमात्र व्याख्या निर्धारित नहीं करता, और न ही किसी भी युद्ध को केवल सुन्नी-शिया संघर्ष तक सीमित किया जा सकता है।यमन में ज़ैदी पहचान ऐतिहासिक और राजनीतिक रूप से मायने रखती है, लेकिन संघर्ष में राज्य का पतन, क्षेत्रीय हस्तक्षेप, स्थानीय सत्ता-संघर्ष और शासन के प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण भी शामिल हैं।

संपादकीय

यूरोप में बवाल

फ्रांस में स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन धीरे-धीरे आगजनी और मॉल व महंगे स्टोरों में लूट तक जा पहुंचा है। निस्संदेह, कथित वैश्वीकरण और उदारीकरण के चलते वैश्विक स्तर पर उपजी आर्थिक विषमता ने अमीरी-गरीबी की खाई को और गहरा किया है। एक ओर जहां व्यापार के केंद्र बने अभिजात्य वर्ग के स्कूल-कॉलेज व विश्वविद्यालय फल-फूल रहे हैं,वहीं सरकारी अनुदान से चलने वाले शिक्षण संस्थानों की बदहाली जगजाहिर है। यह विषमता विश्वव्यापी है और आक्रोश भी। दरअसल, लोकतांत्रिक सरकारों की जो परंपरागत कल्याणकारी नीतियों की अवधारणा थी, वह नये आर्थिक दौर में मुनाफे पर आधारित व्यवस्था में तब्दील होती गई। राजनेताओं व सत्ता से जुड़े लोगों की शैक्षणिक संस्थाओं के मुनाफे में भागीदारी ने स्थितियों को विषम बनाया है। हालांकि, सत्ताधीशों की विलासिता में कोई कमी नहीं आई, लेकिन आम जनता चौतरफा आर्थिक दबावों से जूझ रही है। सबसे पहले एक सदी बाद आई कोरोना की महामारी ने विश्व आपूर्ति श्रृंखला को तो बाधित किया ही, सैकड़ों किस्म के रोजगारों को भी खत्म किया। जैसे-तैसे एक साल बाद उस आर्थिक संकट से दुनिया उबरने की कोशिश में थी कि युद्ध ने सब चौपट कर दिया। दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को पहले रूस-यूक्रेन युद्ध ने बुरी तरह प्रभावित किया। फिर इस्राइल-हमास संघर्ष ने इस संकट को बढ़ाया। इसके उपरांत अमेरिका द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध ने पूरी दुनिया में ईंधन संकट खड़ा कर दिया। दुनिया के देशों के बजट चरमराए और लोक कल्याण से जुड़ी संस्थाएं और योजनाएं हाशिये पर आ गई। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने से ईंधन के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई और महंगाई कुलांचे भरने लगी। जो कालांतर सामाजिक असंतोष की वाहक बनी। निस्संदेह, सुनहरे सपने लेकर आगे बढ़ रही युवा पीढ़ी की आशाओं पर इस संकट ने तुषारापात किया। शिक्षा व्यवस्था महंगी हुई और रोजगार के अवसर सिमटते गए। निस्संदेह, दुनिया की महाशक्तियों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने पूरी दुनिया में लोगों के जीवन को कष्टकारी बनाया है। इसीलिए भविष्य की आशंकाओं ने युवाओं को आक्रोशित किया।दरअसल, यूरोप के जिन तमाम देशों में फिलहाल आक्रोश की लपटें दिखायी दे रही हैं, उनके मूल में सिर्फ युवाओं का गुस्सा ही नहीं है। इस तपिश में रोटी सेंकने के लिये राजनीतिक दल आतुर दिखायी देते हैं। फ्रांस में जहां दक्षिणपंथी उभार के संकेत दिखायी दे रहे हैं, वहीं कुछ देशों में वाम व श्रमिक संगठन अपने अवसर तलाश रहे हैं। जहां दक्षिणपंथी दल प्रवासियों को अपने-अपने देश की समस्याओं की वजह बता रहे हैं, वहीं वामपंथी दल सत्ता में भागीदारी को आतुर हैं। यह कटु सत्य यह है कि जिन देशों में इस समय आंदोलन उभार पर हैं, उनमें से स्पेन, फ्रांस, इटली,पोलैंड और ग्रीस में महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं। अत- इन आंदोलनों के राजनीतिक निहितार्थ समझना कठिन नहीं होगा। आम आदमी जहां पेट्रोलियम पदार्थों, खाद्य वस्तुओं की कीमतें और आवासीय महंगाई बढ़ने से आक्रोशित है, वहीं युवा रोजगार संकट से त्रस्त हैं। उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय दिखायी दे रहा है। वहीं अल्बानिया में हिंसक रूप ले चुका आंदोलन सिस्टम के भ्रष्टाचार के विरुद्ध मुखर है। आंदोलनकारियों ने लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभों से जुड़े संस्थानों तक को आग के हवाले किया है। दरअसल, समाज में एक ओर अभिजात्य वर्ग की विलासिता बदस्तूर जारी है, वहीं दूसरी ओर समाज के एक बड़े वर्ग को रोटी-कपड़ा-मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिये संघर्ष करना पड़ रहा है। सत्ताधीशों की संवेदनहीनता और लोक कल्याण के वायदों का हकीकत न बन पाना आक्रोश की वजह बन रहा है। कहीं न कहीं कथित सोशल मीडिया ने भी इस तपिश को ईंधन उपलब्ध कराया है।

न्याय की चौखट पर सियासत और संवैधानिक मर्यादा का संकट

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 12 अक्टूबर 2026 की तारीख एक ऐसी असाधारण और चिंताजनक घटना के रूप में दर्ज हो चुकी है, जिसने संवैधानिक संस्थाओं के बीच पारस्परिक सम्मान की सीमाओं को पूरी तरह से धुंधला कर दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे %स्पेशल इनटेंसिव रिवीजन% की प्रक्रिया के खिलाफ विपक्ष के नेता राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के तमाम शीर्ष नेताओं द्वारा सुप्रीम कोर्ट परिसर तक निकाला गया विरोध मार्च सिर्फ एक राजनीतिक प्रदर्शन नहीं था, बल्कि वह न्याय की सर्वोच्च देहरी पर जन-दबाव बनाने का एक ऐसा अभूतपूर्व प्रयास था, जिसकी अनुमति हमारा संवैधानिक ढांचा कभी नहीं देता। 15 अक्टूबर 2026 को इस संवेदनशील मामले पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने जो बेहद सख्त रुख अपनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र की आत्मा उसकी संस्थाओं की गरिमा और उनकी स्वतंत्रता में बसती है, न कि सड़कों पर उमड़ने वाली राजनीतिक भीड़ के कोलाहल में।

अदालत का सुनवाई के दौरान यह कहना कि ÷हम आइवरी टावर (हाथीदांत के मीनारों) में नहीं बैठे हैं, हमें सब पता है कि बाहर क्या बयान दिए जा रहे हैं और कोर्ट के भीतर क्या कहा जा रहा है÷, देश के पूरे राजनीतिक नेतृत्व के लिए एक गंभीर और ऐतिहासिक चेतावनी है। जब देश का विपक्ष का नेता, जिसके पास कैबिनेट मंत्री का दर्जा होता है और जो संसद के भीतर देश की जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है, स्वयं समर्थकों की भारी भीड़, नारेबाजी और हंगामे के बीच देश की सर्वोच्च अदालत की रजिस्ट्री में याचिका दाखिल करने पहुंचता है, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या अब न्यायिक प्रक्रियाओं का फैसला भी सड़कों के संख्याबल से तय होगा? यह संपादकीय इसी गहरे और गंभीर संवैधानिक संकट का निष्पक्ष विश्लेषण करने का प्रयास है कि आखिर विपक्ष के इस कदम के पीछे की राजनीति क्या है, न्यायपालिका की चिंताएं कितनी जायज हैं और भारतीय लोकतंत्र को इस अभूतपूर्व संस्थागत टकराव से बचाने के लिए किस तरह के संतुलन की आवश्यकता है। इस पूरे विवाद की जड़ें किसी न्यायिक फैसले या अदालती आदेश में नहीं, बल्कि देश की चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से जुड़ी हैं। चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में शुरू की गई %स्पेशल इनटेंसिव रिवीजन% की कवायद को लेकर गठबंधन और एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने गंभीर सवाल उठाए हैं। विपक्ष का मुख्य आरोप है कि इस विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के नाम पर देश भर में करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं। विपक्ष इसे %वोटों की चोरी% और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश करार दे रहा है। इसी के विरोध में पिछले सप्ताह दिल्ली की सड़कों पर विपक्षी कार्यकर्ताओं द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए गए थे, जहां पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज ने आग में घी का काम किया था।

राजनीतिक रूप से चुनाव आयोग के फैसलों का विरोध करना और उस पर सवाल उठाना विपक्ष का न सिर्फ लोकतांत्रिक अधिकार है, बल्कि उसका कर्तव्य भी है। भारतीय चुनावी राजनीति में ईवीएम से लेकर मतदाता सूचियों में विसंगतियों के दावों तक, विपक्ष हमेशा से मुखर रहा है। इसी सिलसिले में जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव सहित 13 विपक्षी दलों के नेताओं ने एक संयुक्त रिट याचिका के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया, तो देश को लगा कि यह लड़ाई अब पूरी तरह से कानूनी और संवैधानिक दायरे में लड़ी जाएगी। लेकिन, कानूनी याचिका दायर करने की सामान्य प्रक्रिया को जिस तरह से एक विशाल %राजनीतिक जुलूस% में तब्दील कर दिया गया, उसने इस कानूनी लड़ाई के वास्तविक उद्देश्य पर ही बड़े सवालिया निशान खड़े कर दिए।12 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के लुटियंस जोन में जो दृश्य दिखाई दिए, वे देश के न्यायिक इतिहास में बेहद दुर्लभ और विचलित करने वाले थे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, विपक्षी दलों के सांसद, छात्र संगठन और समर्थक संसद मार्ग से होते हुए सुप्रीम कोर्ट परिसर की ओर बढ़े। हालांकि सुरक्षा कारणों से पुलिस ने भीड़ को रोकने की कोशिश की, लेकिन विपक्षी नेताओं का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल और समर्थकों की एक अनियंत्रित भीड़ सुप्रीम कोर्ट के भीतर स्थित %फाइलिंग काउंटर% तक पहुंच गई।एक ऐसे समय में जब कोर्ट की रजिस्ट्री अपने दैनिक कार्य को समेट रही थी, परिसर के भीतर अचानक पैदा हुए इस राजनीतिक कोलाहल, नारेबाजी और समर्थकों के हुजूम ने सुप्रीम कोर्ट के प्रशासनिक तंत्र को कुछ समय के लिए ठप कर दिया। इसके साथ ही, एक तकनीकी और



कानूनी पहलू यह भी सामने आया कि इस संयुक्त याचिका में सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने 14 प्रक्रियात्मक खामियां पाई थीं। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पहचान पत्र का धुंधला होना, जरूरी प्राधिकरण दस्तावेजों का गायब होना और यहां तक कि कोर्ट फीस में ?220 की कमी होना शामिल था। इन मामूली प्रक्रियात्मक त्रुटियों को दूर करने के बजाय, जिस तरह से नेताओं और कार्यकर्ताओं की फौज ने रजिस्ट्री पर दबाव बनाने की कोशिश की, उसने देश के जागरूक वकीलों और नागरिकों को हैरान कर दिया। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन से जुड़े करीब 200 वकीलों ने तत्काल इस घटना का संज्ञान लिया और पत्र लिखकर इस बात पर गहरी चिंता जताई कि देश की सर्वोच्च अदालत को राजनीतिक शक्ति-प्रदर्शन का अखाड़ा बनाया जा रहा है। वोटरगाइड देखें

जब यह पूरा मामला 15 अक्टूबर को सुनवाई के लिए आया, तो मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ का रुख बेहद कड़ा और मुखर था। कोर्ट ने दो अलग-अलग याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की–पहली याचिका विपक्ष की वह मूल याचिका थी जिसमें चुनाव आयोग की स्ट्रक्रप्रक्रिया को चुनौती दी गई थी; और दूसरी याचिका उन वकीलों की थी जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट परिसर के भीतर राजनीतिक रैलियों, नारेबाजी, और राजनीतिक प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की मांग की थी।अदालत ने दोनों मामलों को बेहद संतुलित लेकिन सख्त तरीके से संभाला। छ्छ्ढ सूर्यकांत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ÷कोई भी बाहरी दबाव या भीड़ लाकर हमारी न्यायपालिका को डरा-धमका नहीं सकता।÷ कोर्ट ने सीधे तौर पर याचिकाकर्ता राहुल गांधी के आचरण और उनके इरादों पर सवाल उठाए। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि विपक्ष की मुख्य याचिका पर विचार करना पूरी तरह से %अनंतिम% है, और राहुल गांधी को सबसे पहले 12 अक्टूबर को कोर्ट परिसर के भीतर और आसपास पैदा हुई अराजकता, भीड़ के प्रवेश और अव्यवस्था पर अपने आचरण की लिखित सफाई देनी होगी। इसके अलावा, कोर्ट ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को आदेश दिया कि वे उस दिन की सभी सीसीटीवी और डिजिटल फुटेज को सुरक्षित रखें, ताकि यह जांचा जा सके कि इस राजनीतिक जुलूस के दौरान कोर्ट की सुरक्षा से क्या खिलवाड़ हुआ था

यह कानूनी टकराव अब एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है जहां अदालत ने चुनाव आयोग , मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों (सुखबीर सिंह संधू व विवेक जोशी) को नोटिस जारी कर जवाब तो मांग लिया है–जो कि विपक्ष के लिए एक बड़ी वैधानिक राहत हो सकती थी–लेकिन जजों ने तुरंत स्पष्ट किया कि नोटिस जारी करने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि अदालत ने नेताओं के इस आचरण या व्यवहार को स्वीकार या नजरअंदाज कर दिया है।

इस पूरे प्रकरण का सबसे चिंताजनक और दूरगामी पहलू यह है कि यह हमारे संविधान के बुनियादी सिद्धांत %शक्तियों के पृथक्करण% पर सीधा प्रहार करता है। हमारे लोकतांत्रिक ढांचे में संसद कानून बनाती है, कार्यपालिका (जिसमें चुनाव आयोग जैसी स्वायत्त संस्थाएं शामिल हैं) उन्हें लागू करती है, और न्यायपालिका इस बात की समीक्षा करती है कि क्या वे कानून और प्रशासनिक कदम संविधान के अनुरूप हैं या नहीं। इन तीनों अंगों के बीच एक बेहद महीन और अदृश्य मर्यादा रेखा होती है। जब विधायिका या विपक्ष के नेता न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए %अदालती घेराव% जैसी शैली अपनाते हैं, तो वह मर्यादा रेखा पूरी तरह टूट जाती है।सुप्रीम कोर्ट कोई राजनीतिक मंच या दिल्ली का जंतर-मंतर नहीं है, जहां धरने, प्रदर्शन या संख्याबल के जरिए अपनी मांगों को मनवाया जा सके। अदालतें केवल और केवल तथ्यों, साक्ष्यों, नजीरों और संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर चलती हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, जो अदालत में राहुल गांधी का पक्ष रख रहे हैं–और जो स्वयं देश के जाने-माने कानूनविद और पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री रह चुके हैं–वे भली-भांति जानते हैं कि अदालत के भीतर पेश किए जाने वाले तर्कों का वजन इस बात से तय नहीं होता कि कोर्ट रूम के बाहर कितने हजार लोग नारे लगा रहे हैं।



किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते हैं आप

किचन के खाने से पूरी फैमिली की सेहत जुड़ी होती है इसलिए खाना बनाते वक्त साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है लेकिन क्या आप जानती है कि खाना बनाने वाले बर्तनों में भी परिवार की हेल्थ डिपेंड करती है। इस बात पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होती है कि हम किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते है। आइए जानते हैं कि खाना पकाने के लिए किस तरह के बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए-

पीतल

पीतल के बर्तनों में खाना पकाना एवं खाना आमतौर पर पुराने समय में ज्यादा किया जाता था। यह नमक और अम्ल के साथ प्रतिक्रिया करता है, इसलिए खट्टी चीजों का या अधिक नमक वाली चीजों को इसमें पकाना या खाना नहीं चाहिए, वरना फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

तांबा

तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल भी पुराने जमाने से ही किया जाता रहा है और यह भी पीतल की तरह ही अम्ल और नमक के साथ प्रतिकिया करता है। कई बार पकाए जा रहे भोजन में मौजूद ऑर्गेनिक एसिड बर्तनों के साथ रिएक्शन कर ज्यादा कॉपर पैदा कर सकते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

स्टेनलेस स्टील

स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल आज के समय में काफी चलन में है। यह एक मिक्स धातु है जो लोहे में कार्बन, क्रोमियम और निकल मिलाकर बनाई जाती है। इसमें खाना पकाने या बनाने में सेहत को कोई नुकसान नहीं होता। इन बर्तनों का तापमान बहुत जल्दी बढ़ता है।

एल्युमीनियम

एल्युमीनियम के बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर घर में होता ही है। गर्मी मिलने पर एल्युमीनियम के अणु जल्दी सक्रिय होते हैं और एल्युमीनियम जल्दी गर्म होता है। एल्युमीनियम के बर्तन में खाना पकाना हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता। यह भी एसिड के साथ बहुत जल्दी रिएक्शन करता है, इसलिए इसमें खटाई जैसे अचार, नींबू जैसी चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

लोहा

भोजन पकाने और खाने के लिए लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल हर तरह से फायदेमंद होता है। इन बर्तनों में पकाए गए भोजन में आयरन की मात्रा अपने आप बढ़ जाती है और आपको उसका भरपूर पोषण मिलता है। आमतौर पर सभी को आयरन की जरूरत होती है और महिलाओं के लिए खास तौर पर आयरन बहुत फायदेमंद होता है।

नॉन स्टिक

नॉन स्टिक का मतलब है, ना चिपकने वाला। ऐसे बर्तन जिनमें खाना चिपकता नहीं है और पकाने के लिए अधिक तेल या घी की जरूरत भी नहीं होती लेकिन इन बर्तनों को ज्यादा गर्म या खरोंच ना लगाएं, इससे इनमें कई ऐसे केमिकल निकलते हैं जो सेहत को नुक्सान पहुंचाते हैं।





खूबसूरती ही नहीं घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

सुख-शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई-झगड़ें भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति-पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य द्वारा पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में वर्गाकार आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।

घर में ना रखें टूटा हुआ आइना

घर में कभी-भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। साथ ही इससे परिवार क बीच झगड़े भी होने लगते हैं।

शीशे के शो-पीस

शीशे के शो-पीस को या एक्वेरियम को हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में ही लगाएं। इस दिशा में आइना या शो-पीस लगाने से घर में साकारात्मक ऊर्जा का वासा होगा।

आज के समय में हर महिला अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती है। यह एक्सपेरिमेंट सिर्फ कपड़ों या स्टाइल तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि मेकअप में भी बदलाव करके एक नया लुक पाया जा सकता है। शायद यही कारण है कि हर महिला की मेकअप किट में कई तरह के कलर्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप भी इस बार पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए डार्क लिपस्टिक लगाने का मन बना रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखे



डार्क लिपस्टिक लगाने से पहले रखें ध्यान

लिप्स को करें तैयार

होंठों का फटना एक आम समस्या है। इसलिए अगर होंठ ड्राई या फटे हैं तो पहले उसे एक्सफोलिएट करें। इसके लिए शहद में कुछ बूंदें नारियल तेल व एक चम्मच चीनी डालकर मिक्स करें और उसे होंठों पर लगाकर हल्के हाथों से रब करें। करीबन पांच मिनट बाद ठंडे पानी से होंठ साफ करें।

ऐसे करें शुरूआत

होंठों पर लिपस्टिक लगाने से पहले लिप प्राइमर लगाना जरूरी है। यह आपके लिप्स को एक बेस देते हैं। अगर आप चाहें तो लिप बाम की एक पतली सी लेयर भी लगा सकती हैं। इसके बाद फेस मेकअप करें। जब यह लिप बाम सूख जाए, तो टिश्यू पेपर की मदद से अतिरिक्त बाम को हटाएं और फिर डार्क लिपस्टिक अप्लाई करें।

लिप ब्रश का इस्तेमाल

लिपस्टिक अप्लाई करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है, फिर चाहे आप लाइट लिपस्टिक लगाएं या डार्क। कभी भी लिपस्टिक को सीधे न लगाएं, बल्कि इसके लिए लिपब्रश का प्रयोग करें। ऐसा करने से होंठों के अंत पर भी लिपस्टिक बिना फैले हुए बेहद आसानी से लग जाती है। इतना ही नहीं, लिपब्रश की मदद से लिपस्टिक लगाने के पश्चात होंठों को एक नई डेफिनेशन मिलती है।

इसका रखें ध्यान

यह अवश्य सुनिश्चित करें कि वह आपके स्किन टोन को कॉम्पलिमेंट करता हो।



तो ये ट्रिक्स अपनाकर बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं आप

आज के किड्स बहुत स्मार्ट हैं। उन्हें कुछ सिखाने या बताने की जरूरत नहीं होती। उनकी यही स्मार्टनेंस पेरेंट्स के लिए अनेक मुश्किलें खड़ी कर देती है, जिन्हें हैंडल करना उनके लिए आसान नहीं होता। यदि आप चाहें तो कुछ ट्रिक्स अपनाकर अपने बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं।

बच्चों की फिजूलखर्ची

आजकल के बच्चों की फरमाइशें इतनी हैं तो मा-बाप उनकी फिजूलखर्ची से परेशान हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए को वह बच्चे को बचपन से ही सेविंग्स की आदत डालें, ताकि वह अपनी पसंद की चीज खुद खरीद सकें। उन्हें अपनी पॉकेट मनी का कुछ हिस्सा पिग्गी बैंक में जमा करने के लिए कहें। साथ ही बच्चों को पैसों की वैल्यू समझाएं और उन्हें कहें कि वह जरूरत पड़ने पर ही पैसे खर्च करें।

टैक्नोलॉजी के शिकार

टैक्नेलॉजी के बढ़ते प्रभाव से बच्चे भी अछूते नहीं है। वे अपने पेरेंट्स को जैसा करते देखते हैं वैसा ही करते हैं। यदि पेरेंट्स टैक्नो एडिक्ट होंगे तो बच्चे भी टैक्नो एडिक्ट ही बनेंगे। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को टीवी, लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट का इस्तेमाल निर्धारित समय सीमा तक ही करने दें।

स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप पर पासवर्ड लगाकर रखें और कुछ दिन बार पासवर्ड बदलते रहें।

डिनर, पूजा और फैमिली गैदरिंग के समय उन्हें टीवी, लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल से दूर रखें।

बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं और उन्हें वीकेंड में आउटिंग या पिकनिक के लिए ले जाएं।

जब बच्चे हर बात के लिए कहे ना

आजकल बच्चे अपने पेरेंट्स के मुंह पर ही काम करने से मना कर देते हैं। कई बार तो वह यह भी नहीं देखते थे पेरेंट्स थक गए हैं और काम करने से सीधा मना कर देते हैं। ऐसे में उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यार से बात करें और बड़ों का आदर करना सिखाए। इससे वह आरास से आपका कहना मानेंगे।

जब बच्चों पर हो पीयर प्रैशर

बचपन से ही बच्चों में पीयर प्रैशर का असर दिखना शुरू हो जाता है। 11-15 साल के बच्चों पर दोस्तों का दबाव अधिक होता है लेकिन पेरेंट्स इस प्रैशर को समझ नहीं पाते। हालांकि इसका सकारात्मक प्रभाव भी होता है, जैसे कि बच्चा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टीविटीज में भाग लेने लगता है। मगर कई बार इसका बच्चे इसकी वजह से झूठ, चोरी और स्मोकिंग और क्लास बंक करना जैसी गलत आदतों के आदि हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि वो बच्चों को सही राह दिखाएं।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें, ताकि वह अपनी हर बात आपसे शेयर करें।

उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दें तथा उन्हें मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें।

उनके दोस्तों के बारे में पूरी जानकारी रखें।

बच्चों के व्यवहार में कोई बदलाव महसूस होने पर तुरंत उनके टीचर्स और दोस्तों से मिलें। इस बारे में उनसे बात करें।



हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : **MPHIN/26/A1603,** संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



गोल्डन टेंपल में अरदास करते हुए फूट-फूटकर रोईं

सारा अली खान

साथ दिखे आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर काफी चर्चा में हैं. फिल्म की रिलीज नजदीक है और वो इसके प्रमोशन में आयुष्मान खुराना के साथ पूरी तरह बिजी चल रही हैं. प्रमोशन के इसी सिलसिले में दशहरा के दिन सारा अली खान और आयुष्मान खुराना अमृतसर के गोल्डन टेंपल पहुंचे. गुरु घर में अरदास करते हुए सारा अली खान बेहद इमोशनल हो गईं और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े. इस दौरान उनके साथ आयुष्मान खुराना भी नजर आए, जिन्होंने गुरुद्वारे में प्रार्थना की. हालांकि, अब सारा अली खान का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है. लोग पूछ रहे हैं कि आखिर क्यों एक्ट्रेस रोईं?

फिल्म 'उड़ता तीर' के जरिए सारा अली खान और आयुष्मान खुराना की यह जोड़ी पहली बार पर्दे पर साथ नजर आने वाली है. जिसे लेकर फैन्स भी काफी एक्साइटेड हैं. फिल्म की सफलता की कामना के लिए दोनों एक्टर्स अमृतसर के गोल्डन टेंपल पहुंचे थे. वायरल वीडियो में सारा अली खान और आयुष्मान



दरबार साहिब में प्रार्थना करते दिखे. इस दौरान सारा इमोशनल हो गईं और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े.

क्यों गोल्डन टेंपल में रोईं सारा अली खान ?

दरअसल सारा अली खान ने गोल्डन टेंपल से आयुष्मान के साथ एक तस्वीर शेयर की है. जहां दोनों एक्टर्स ने व्हाइट कपड़े पहने हुए थे और सारा ने दुपट्टे से अपना सिर ढका हुआ था. वहीं, वो दोनों हाथ जोड़कर प्रार्थना करते दिख रहे थे. इस तस्वीर के साथ सारा ने लिखा, हैप्पी दशहरा, सभी को ढेर सारा प्यार, अच्छी किस्मत और खुशियां मिलें, और इस तरह उन्होंने अपने फॉलोअर्स को त्योहार की शुभकामनाएं दीं.

हालांकि, इस तस्वीर के बाद इंटरनेट पर एक वीडियो वायरल हो गया. इस क्लिप में सारा काफी इमोशनल होती नजर आ रही हैं. दरबार साहिब में प्रार्थना करते हुए उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े. इस दौरान वो फूट-फूटकर रोती दिखीं, हालांकि उन्होंने खुद को काफी कंट्रोल भी किया.

कब रिलीज होगी 'उड़ता तीर' ?

'उड़ता तीर' की रिलीज से पहले सारा अली खान और आयुष्मान खुराना गोल्डन टेंपल पहुंचे. यह फिल्म 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आएगी. पहले यह फिल्म 9 अक्टूबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई. वहीं, आकाश ए. कौशिक ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है.

लगा मुझे हार्ट अटैक आया...टाइगर पर हुई फायरिंग में घायल हुए फैन उमेश ने बताई पूरी घटना



टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के दौरान घायल हुए उनके एक फैन उमेश चौहान ने बताया है कि जब उन्हें गोली लगी तो उन्हें इसका अहसास ही नहीं हुआ. सीने में दर्द होने के बाद उमेश को लगा कि उन्हें हार्ट अटैक आया है. बाद में जब उमेश को अस्पताल पहुंचाया गया तब उन्हें इस बात की खबर हुई कि टाइगर पर फायरिंग के दौरान उनको गोली लग गई है. उमेश अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं और उनका इलाज चल रहा है.इस हमले में टाइगर श्रॉफ को गोली नहीं लगी थी, लेकिन उनके ड्राइवर फिरदौस बलूच को हाथ में गोली लगी थी. टाइगर खुद ही कार चलाकर अपने ड्राइवर को अस्पताल ले गए थे. इस घटना के दौरान ही उमेश को भी गोली लगी. वायरल वीडियो में उमेश भी गोली लगने के बाद चीखते चिल्लाते नज़र आ रहे हैं. बाद में उन्हें ऑटो रिक्शा के जरिए कूपर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें केईएम अस्पताल रेफर किया गया. इस वक्त उमेश आईसीयू में हैं और बुधवार 21 अक्टूबर को ऑपरेशन के जरिए उनकी गोली निकालने की कोशिश की जाएगी.

मैं वीडियो बना रहा था....

इस बीच उमेश का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो अस्पताल में बेड पर लेटे हैं और उन्होंने ऑक्सीजन मास्क भी पहना हुआ है. मीडिया से बात करते हुए वो बताते हैं, उस दिन टाइगर श्रॉफ भाई खेलकर जा रहे थे. शाम के 7 बज रहे थे लगभग. जब उनकी गाड़ी बाहर निकली है गेट से तो शीशे के पास में मैं खड़ा था, टाइगर श्रॉफ जी जिधर बैठे थे, उसके एकदम पास में मैं खड़ा था, मैं वीडियो बना रहा था.

लगा टायर फटने की आवाज है....

उमेश चौहान आगे बताते हैं, आवाज आई तो मुझे लगा कि टायर फटने की आवाज है. उसके बाद मेरे सीने में बहुत तेज़ दर्द हुआ. इतने में मैं वहां चिल्ला चिल्ला कर सबसे मदद मांगने लगा. 'मेरे सीने में दर्द हो रहा है, कोई पंप कर दो, मैं सांस नहीं ले पा रहा हूं.' मुझे मालूम नहीं था कि गोली लगी है, जब मैं कूपर अस्पताल में आया तब मुझे पता लगा कि मुझे गोली लगी है. पहले तो मैंने सोचा कि मुझे हार्ट अटैक आया है. कूपर अस्पताल में मेरा चेकअप हुआ.

जस्टिन बीबर की एक्स गर्लफ्रेंड का 34 साल की उम्र में निधन, दवाई के ओवरडोज़ ने ली जान



ऑस्ट्रेलियन मॉडल-इन्फ्लुएंसर और मशहूर सिंगर जस्टिन बीबर की एक्स गर्लफ्रेंड सहारा रे का निधन हो गया है. वो 34 साल की थीं. बताया जा रहा है कि शुक्रवार की रात सहारा ने फेंटानिल नाम की दवा का ओवरडोज़ लिया, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई. हालत खराब होने के बाद उन्हें लॉस एंजेलिस के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था. हालांकि रविवार को उनकी हालत बेहद खराब होने के बाद उनके परिवार ने फैसला किया कि उनका लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटा लिया जाए.डेली मेल ने दवा के ओवरडोज़ से सहारा के मौत की जानकारी दी है. सहारा की मां ग्रेचन बैंक ने डेली मेल से बात करते हुए कहा कि रे एक बेहद पैशनेट और अच्छे दिल की महिला थी, जो अपने परिवार, फैशन, अपनी बेटी स्लो और सर्फिंग से खूब प्यार करती थी.

इसी साल बनी थीं दूसरी बार मां

इसी साल जनवरी में सहारा रे ने अपनी दूसरी बेटी को जन्म दिया था. कुछ हफ्ते पहले उन्होंने अपनी बेटी को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी किया था, जो कि सोशल मीडिया पर उनका आखिरी पोस्ट भी साबित हुई. इस पोस्ट में उन्होंने अपनी बेटी को अपनी 'जिगर का टुकड़ा' बताया था.

2016 में जस्टिन संग जुड़ा था नाम

करीब 10 साल पहले साल 2016 में सहारा रे का नाम उस वक्त लाइमलाइट में आ गया था, जब उनकी और कनाडा के पॉप सिंगर जस्टिन बीबर की डेटिंग की खबरें छा गई थीं.

उनकी और बीबर की एक हवाई यात्रा के दौरान की कुछ तस्वीरें वायरल हुई थीं. सहारा एक स्विमवीयर डिजाइनर थीं और उनका खुद का एक स्विमवीयर ब्रांड भी था, जिसका नाम सहारा रे स्विम रखा था.

इस बीमारी से जूझ रही थीं सहारा

सहारा रे ने 2 साल पहले 2024 में खुलासा किया था कि वो गिलियन-बैरे सिंड्रोम नाम की ऑटो इम्यून बीमारी से जूझ रही हैं. इस बीमारी के चलते वो एक कार हादसे के बाद आंशिक रूप से लकवाग्रस्त भी हो गई थीं. इस गंभीर स्वास्थ्य समस्या के चलते उनके मॉडलिंग करियर पर गहरा असर भी पड़ा.



सैफ अली खान की फिल्म से क्यों बाहर हुईं

प्रियंका चोपड़ा

मुंबई में शूटिंग से पहले बड़ा बदलाव

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर डेब्यू किया है. वो लगातार कई फिल्मों में काम कर रहे हैं. इस वक्त सैफ अली खान का कई प्रोजेक्ट्स पर नाम जुड़ रहा है.हाल ही में पता लगा कि रितेश बत्रा के नए पीरियड ड्रामा की शूटिंग मुंबई में शुरू हो गई है. लेकिन शुरुआत में ही एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है. प्रियंका चोपड़ा अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं. यूं तो प्रियंका लंबे वक्त बाद इंडियन सिनेमा में वापसी कर रही हैं, वो 'वाराणसी' का काम लगभग कंप्लीट कर चुकी हैं.सैफ अली खान की फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है. और इसकी शूटिंग 21 अक्टूबर को भायखला के एक म्यूजियम में शुरू हुई थी. फिलहाल सैफ के हिस्सों की शूटिंग चल रही है, जबकि मेकर्स जल्द से जल्द किसी नई लीड एक्ट्रेस को फाइनल करने की कोशिश कर रहे हैं.



क्यों फिल्म से बाहर हो गईं प्रियंका ?

हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि, इस फिल्म में सैफ अली खान के अपोजिट प्रियंका चोपड़ा को कास्ट किया गया था. दरअसल दोनों पहली बार एक साथ स्क्रीन पर नजर आने वाले थे. हालांकि, मुंबई शेड्यूल शुरू होने से पहले ही प्रियंका ने फिल्म छोड़ दी. कहा जा रहा है कि, उनके पास पहले से ही कुछ दूसरे प्रोफेशनल कमिटमेंट्स थे. जिसकी वजह से डेट्स को लेकर दिक्कत खड़ी हो गई, जिसे टीम सुलझा नहीं पाई है.

दरअसल कास्टिंग में बदलाव के बावजूद यह सबसे दिलचस्प हिंदी फिल्म कोलैबोरेशन में से एक है. यह सैफ अली खान और बत्रा का पहला साथ में प्रोजेक्ट है. दरअसल बत्रा को 2013 में 'द लंचबॉक्स' से पहचान मिली है. इसके बाद उन्होंने 2017 में 'द सेंस ऑफ एन एंडिंग' और 'आवर सोल्स एट नाइट' बनाईं. साथ ही फिर 2019 में 'फोटोग्राफ' का डायरेक्शन किया.

इस फिल्म में दिखेंगी प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही राजामौली की 'वाराणसी' की फिल्म में दिखने वाली हैं. एक्ट्रेस को लेकर खबर है कि वो नेगेटिव रोल कर रही हैं. फिलहाल अपने हिस्से का लगभग काम पूरा कर चुकी हैं और 10 परसेंट शूटिंग रह गई है.

टी20 सीरीजः वैभव से डरा न्यूजीलैंड! बल्लेबाज को रोकने के लिए बनाया प्लान

वेलिंगटन, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने आक्रामक अंदाज से दुनिया भर के गेंदबाजों का ध्यान खींचा है। अब न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी माना है कि अगर इस युवा बल्लेबाज को भारत की प्लेइंग-11 में मौका मिलता है, तो उसे रोकना आसान नहीं होगा। हालांकि, पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले मेजबान कप्तान ने साफ किया कि उनकी टीम ने वैभव के खेल को अच्छे से देखा है और उन्हें रोकने के लिए कुछ खास योजनाएं तैयार की हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चुने जाने के बाद से सीमित मौके मिले हैं। नियमित सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण उन्हें प्लेइंग-11 में जगह बनाने के लिए इंतजार करना पड़ा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली सीरीज में भी वह नहीं खेले थे।

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी कहा है कि वैभव को अपने मौके के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। इसके बावजूद सैंटनर ने वैभव की प्रतिभा को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि यह युवा बल्लेबाज भविष्य में भारतीय टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकता है। सैंटनर ने सीरीज से पहले कहा, 'वैभव पिछली सीरीज में नहीं खेले थे, लेकिन हम जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। हमने उन्हें आईपीएल में देखा है। अभिषेक जैसे दूसरे खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वैभव की भारत के लिए बड़ी भूमिका होगी, चाहे वह इस सीरीज में हो या भविष्य में।'

न्यूजीलैंड के कप्तान ने आगे कहा, 'अगर उन्हें इस सीरीज में खेलने का मौका मिलता



भुवनेश्वर की स्विंग से न्यूजीलैंड को खतरा



भारतीय टीम में करीब चार साल बाद लौटे अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को लेकर भी सैंटनर ने अपनी राय रखी। न्यूजीलैंड के कप्तान का मानना है कि यहां की परिस्थितियां भुवनेश्वर की गेंदबाजी के अनुकूल होंगी। नई गेंद से स्विंग हासिल करने की उनकी क्षमता मेजबान टीम के बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकती है। सैंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि भुवी को न्यूजीलैंड की परिस्थितियां काफी पसंद आएंगी। अगर पिच पर गेंदबाजों के लिए कुछ मदद होगी, तो वह उसका फायदा उठा लेंगे। भारत की कुछ सपाट पिचों पर भी उन्होंने गेंद को स्विंग कराया है और उसमें मूवमेंट हासिल की है। इसलिए यहां नई गेंद से उनका सामना करना खास तौर पर चुनौतीपूर्ण होगा।' उन्होंने भारतीय पिचों पर बड़े स्कोर बनने का जिक्र करते हुए कहा, 'आजकल भारत में गेंदबाजी करना काफी चुनौतीपूर्ण है। हमने हाल की सीरीज में देखा कि 250 रन का लक्ष्य भी हासिल कर लिया गया। ऐसे में कौन गेंदबाज बनना चाहेगा? लेकिन भुवी को यहां की परिस्थितियां थोड़ी ज्यादा पसंद आ सकती हैं।'

संक्षिप्त समाचार

हरमनप्रीत की तूफानी पारी, शेफाली वर्मा ने भी मचाया धमाल

रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे और आखिरी टी20 मुकाबले में 92 रनों से शानदार जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। मंगलवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 216 रन बनाए। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय महिला टीम का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 124 रन



ही बना सकी। इस जीत के साथ स्मृति मंधाना की अगुवाई में भारतीय टीम ने अपनी पहली सीरीज भी जीत ली। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने 41 गेंदों पर नाबाद 91 रन बनाए। उनकी पारी में 10 चौके और पांच छक्के शामिल रहे। इस तरह हरमनप्रीत ने कुल 15 बाउंड्री लगाईं और भारत को 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। वह अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक से महज नौ रन दूर रह गईं। हरमनप्रीत की यह पारी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय महिला टीम के लिए चौथे या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

एशियाई पैरा गेम्स-2026... यासिर-परवीन ने किया कमाल

भारत को शॉटपुट में तीनों पदक सचिन ने रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण



आइची नागोया, एजेंसी। भारत के पैरा एथलीट सचिन सरजेराव खिलारी ने एशियाई पैरा गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बुधवार को नागोया में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में सचिन ने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंककर नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। उनके इस प्रदर्शन के साथ भारत ने स्पर्धा में स्वर्ण, रजत और कांस्य तीनों पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया। पेरिस पैरालंपिक 2024 के रजत पदक विजेता सचिन ने एशियाई पैरा गेम्स में अपना पिछला स्वर्ण भी बरकरार रखा। उन्होंने चीन में हुए पिछले संस्करण में स्वर्ण पदक जीता था। इस बार उन्होंने 15.67 मीटर के पुराने गेम्स रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 15.87 मीटर का नया रिकॉर्ड कायम किया। भारत के मोहम्मद यासिर ने तीसरे प्रयास में 15.06 मीटर का थ्रो करके रजत पदक जीता, जबकि परवीन 14.94 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह पोडियम के तीनों स्थान भारतीय खिलाड़ियों के नाम रहे।

आखिरी थ्रो में सचिन ने पलटी बाजी

सचिन खिलारी का स्वर्ण पदक जीतने वाला प्रदर्शन खास रहा। उन्होंने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंका और प्रतियोगिता का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले गेम्स रिकॉर्ड 15.67 मीटर था। सचिन ने दबाव के बीच अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और लगातार दूसरी बार एशियाई पैरा गेम्स में इस स्पर्धा का स्वर्ण जीतने में सफल रहे। यासिर और परवीन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की ऐतिहासिक सफलता पूरी की।

नौ साल की उम्र में हुआ हादसा, फिर भी नहीं मानी हार

महाराष्ट्र के सांगली जिले के करगनी गांव में 23 अक्तूबर 1989 को जन्मे सचिन खिलारी का जीवन नौ साल की उम्र में हुए एक साइकिल हादसे के बाद बदल गया था। इस हादसे के कारण उनके बाएं हाथ की मांसपेशियों को स्थायी नुकसान पहुंचा और हाथ की गतिविधियां सीमित हो गईं।हालांकि, सचिन ने इन चुनौतियों को अपने खेल के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया। उन्होंने शुरुआत में भाला फेंक में हिस्सा लिया, लेकिन कंधे की चोट के बाद शॉटपुट को अपना मुख्य खेल बना लिया। लगातार मेहनत के दम पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई।

पैरालंपिक रजत और दो बार के विश्व चैंपियन

सचिन खिलारी ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में 16.32 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। वह 2023 और 2024 में लगातार दो विश्व चैंपियनशिप खिताब भी जीत चुके हैं। अब एशियाई पैरा गेम्स में स्वर्ण और गेम्स रिकॉर्ड के साथ उन्होंने अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ी सफलता जोड़ ली है। सचिन कोच सत्यनारायण के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेते हैं। उन्हें भारत की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) से भी सहायता मिली है। खेल में योगदान के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के विद्यार्थियों को भी पढ़ाया



सचिन खिलारी ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। खेल के अलावा वह अतिथि शिक्षक के रूप में भी काम कर चुके हैं और महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) तथा संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की मदद कर चुके हैं। खेल और शिक्षा के बीच संतुलन बनाने वाले सचिन की कहानी संघर्ष, अनुशासन और लगातार बेहतर करने की कोशिश का उदाहरण है। नागोया में उनका रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन इसी लंबे सफर की एक और बड़ी उपलब्धि है।

एफ46 वर्ग क्या है...

एफ46 वर्ग उन फील्ड एथलीटों के लिए है, जिनके एक हाथ की कोहनी के ऊपर या नीचे अंग-विच्छेदन हुआ हो अथवा ऊपरी अंग में इसके समान स्तर की दिव्यांगता हो। इस वर्ग के खिलाड़ी खड़े होकर थ्रो करते हैं और कूल्हों तथा पैरों की मदद से फेंकने की ताकत पैदा करते हैं। सचिन ने इसी वर्ग में 15.87 मीटर का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता। यासिर और परवीन के रजत और कांस्य पदक ने भारत के लिए इस स्पर्धा को यादगार बना दिया।

फ्रेंच ओपन

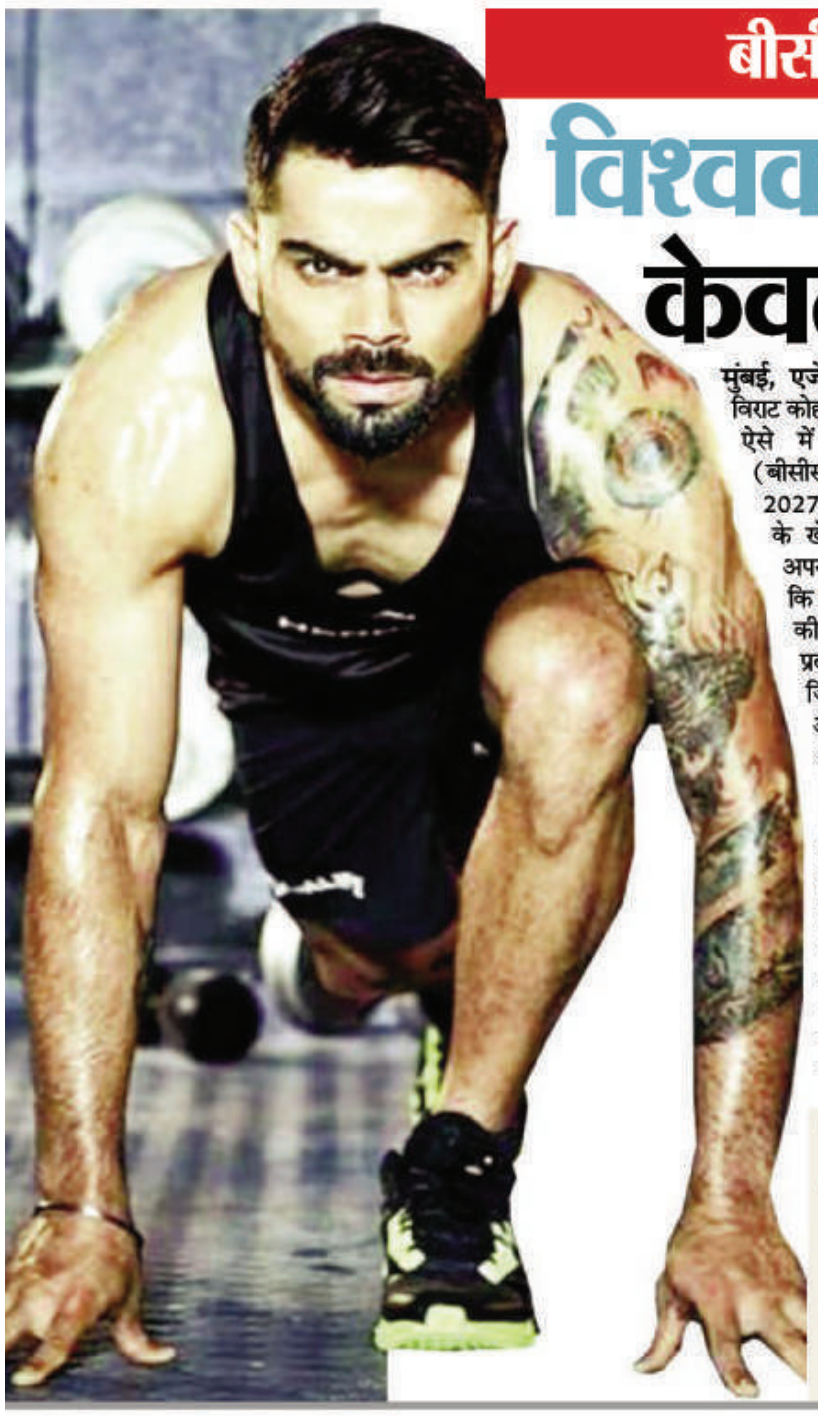
सात्विक-चिराग बाहर, अस्मिता और तन्वी अगले दौर में



नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों अस्मिता चालिहा और तन्वी शर्मा ने मंगलवार को फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल मुकाबलों में जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बना ली। हालांकि, पुरुष युगल में भारत की स्टार जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव और टोमा जूनियर पोपोव ने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में 21-19, 18-21, 21-13 से हराया। एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन निर्णायक गेम में फ्रांसीसी जोड़ी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। महिला एकल में अस्मिता चालिहा ने चीन की हैंग कियान शी को 21-18, 24-22 से हराया। 39 मिनट तक चले मुकाबले में अस्मिता ने सीधे गेम में जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया।

बीसीसीआई अध्यक्ष ने दिया चौंकाने वाला बयान!

विश्वकप में खेल पाएंगे रोहित-कोहली! केवल फिटनेस ही चयन का आधार





मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर चर्चाएं जारी हैं। ऐसे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने 2027 वनडे विश्व कप में दोनों दिग्गजों के खेलने की संभावनाओं को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि टीम में चयन का आधार खिलाड़ियों की उम्र नहीं, बल्कि उनकी फिटनेस और प्रदर्शन होना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में अगले साल अक्तूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप से पहले रोहित और विराट के प्रदर्शन पर खास नजर रहेगी।



उम्र नहीं, प्रदर्शन होगा आधार

मन्हास ने स्पोर्टस्टार को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीत रहा है, तो चयन के लिए यही सबसे महत्वपूर्ण मानदंड होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरे नजरिये से चयन का आधार निश्चित रूप से फिटनेस और प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर कोई खिलाड़ी खेलने के लिए फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीत रहा है, तो यही एकमात्र मानदंड होना चाहिए, जिस पर हमें ध्यान देना चाहिए।' रोहित और विराट पिछले 24 महीनों में टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। दोनों की कोशिश एक और वनडे विश्व कप खेलने की होगी। वे 2023 में भारत की उस टीम का हिस्सा थे, जिसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

शुभमन गिल को मिलेगी मदद

मन्हास ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल के विकास में रोहित और विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की भूमिका को भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों की मौजूदगी गिल को कप्तानी में मदद दे सकती है। उन्होंने कहा, 'शुभमन पिछले दो-तीन वर्षों से गुजरात टाइटंस के कप्तान हैं। इसके अलावा वह भारत की भी अगुआई कर रहे हैं। मुझे लगता है कि विश्व कप अभियान शुरू करते समय उनका यह अनुभव काम आएगा। टीम में विराट, हार्दिक (पांड्या) और रोहित का होना निश्चित रूप से उनकी मदद करेगा।'मन्हास ने आगे कहा, 'जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी गेंदबाजी इकाई की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं, जबकि कोई दूसरा खिलाड़ी फील्डिंग यूनिट का नेतृत्व कर सकता है। यह जिम्मेदारियां बांटने की बात है। यह देखना दिलचस्प होगा कि चीजें किस तरह आगे बढ़ती हैं। शुभमन शांत स्वभाव के खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों का साथ उनके लिए फायदेमंद होगा।'

विश्व कप के दौरान कितनी होगी रोहित-विराट की उम्र!

रोहित शर्मा अप्रैल 2027 में 40 साल के हो जाएंगे, जबकि विराट कोहली विश्व कप के दौरान 38 वर्ष के होंगे। दोनों की उम्र को देखते हुए भारतीय टीम में बदलाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर सवाल उठते रहे हैं। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हुई थी। भारत के 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित, विराट और रवींद्र जडेजा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद रोहित और विराट ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया।रोहित के वनडे में खराब फॉर्म के दौरान उनके संन्यास को लेकर अटकलें तेज हुई थीं। हालांकि, लॉर्ड्स में उनके शतक ने इन चर्चाओं पर कुछ हद तक विराम लगाया। दूसरी ओर, विराट कोहली वनडे क्रिकेट में लगातार रन बनाते हुए इस प्रारूप में अपनी भूमिका का आनंद ले रहे हैं।

एसबीआई पर साइबर हमला : हजारों ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक

मुंबई। भारत के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), ने पुष्टि की है कि एक साइबर हमले के कारण उसके हजारों ग्राहकों का निजी डेटा डार्क वेब पर लीक हुआ है। एसबीआई बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उन्हें संदेह है कि 3,897 ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान से जुड़ी जानकारी (पीआईएफ) चोरी हुई है। लीक हुई जानकारी में ग्राहकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, नाम, लिंग, ईमेल पता और घर का पता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, ब्रांच और कस्टमर इंफॉर्मेशन फाइल के आइडेंटिफायर, लीड आईडी, और लोन व लीड रिकॉर्ड्स से जुड़े मेटाडेटा भी प्रभावित हुए हैं। एसबीआई को डेटा लीक के बारे में पहली जानकारी 16 अक्टूबर को थ्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) से मिली थी। डार्क वेब पर मिले रिकॉर्ड्स की शुरुआती जांच में 3,897 इसतरह के ग्राहकों का डेटा सामने आया, जिसमें उनकी संवेदनशील निजी जानकारी शामिल थी।

सौरव और रांका की न्यायिक हिरासत बढ़ाने पर फैसला सुरक्षित, पुलिस ने तीन दिन की अतिरिक्त हिरासत मांगी



नई दिल्ली । सीजेपी के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग पर बुधवार को एसईएम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। पुलिस ने दोनों की न्यायिक हिरासत तीन दिन और बढ़ाने की मांग की। अदालत ने इस पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। गौरतलब है कि दोनों नेताओं को 13 अक्टूबर को हिरासत में लिया गया था और 14 अक्टूबर को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। इसके बाद 19 अक्टूबर को हुई सुनवाई में अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत दो दिन के लिए बढ़ा दी थी। अब पुलिस ने एक बार फिर हिरासत बढ़ाने की मांग की है। इससे पहले सौरव दास और आशुतोष रांका ने एसईएम की ओर से न्यायिक हिरासत बढ़ाए जाने के फैसले को चुनौती देने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में दायर याचिका वापस ले ली। सुनवाई के दौरान जब अदालत को बताया गया कि दोनों की उम्र क्रमश : 27 और 31 वर्ष है, तो न्यायाधीश ने टिप्पणी की, इसका मतलब है कि आप जेन-जी नहीं हैं।

जम्मू में नशा तस्करों पर शिकंजा कसेगी पुलिस, सुरक्षा ग्रिड होगा मजबूत : आईजीपी सिंह

जम्मू । जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) तेजिंदर सिंह ने कहा कि पुलिस मादक पदार्थों के खिलाफ अपने अभियान को तेज करेगी और सुरक्षा ग्रिड को और मजबूत करेगी। आईजीपी सिंह ने यह बात पुलिस स्मृति दिवस' के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में परेड की सलामी के दौरान कही। आईजीपी सिंह ने पुलिसिंग के महत्व पर जोर देकर कहा कि जरूरी है कि पुलिस का अपने अधिकार क्षेत्र में प्रभाव और उपस्थिति स्पष्ट रूप से नजर आए। उन्होंने कहा, ''सुरक्षा के दृष्टिकोण से, चाहे वह सीमा हो, नियंत्रण रेखा (एलओसी) हो या आंतरिक सुरक्षा का पहलू हो, हम सुरक्षा ग्रिड को और मजबूत करने तथा शांति-सौहार्द बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करने वाले है। आईजी ने मादक पदार्थ रोधी अभियान के बारे में कहा कि संपत्तियों को जब्त करने और बरामदगी करने से जुड़ी मुहिम लगातार जारी है तथा हाल में कुछ अतिरिक्त बरामदगियां भी की गई हैं।

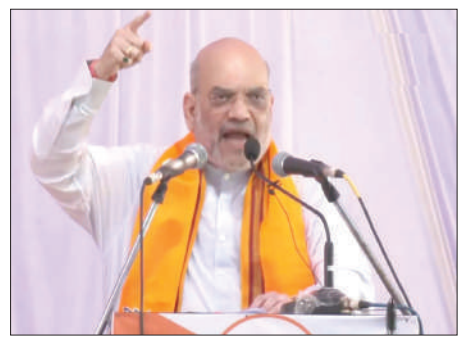
केंद्रीय मंत्री शाह की भीष्म प्रतिज्ञा : 31 दिसंबर 2029 तक भारत होगा नशा मुक्त

नेशनल पुलिस मेमोरियल बनवा कर पीएम मोदी ने दिया सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए 31 दिसंबर 2029 तक भारत को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने सभी राज्यों और सुरक्षा एजेंसियों से व्यापक अभियान में एकजुट होकर काम करने का आव्हान किया।

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद देशवासियों और सुरक्षा बलों को संबोधित कर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने स्पष्ट किया कि नशीले पदार्थों की समस्या देश के विकास को बाधित कर सकती है और अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ डाल सकती है। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय ने अगले साढ़े तीन वर्षों (2026 के शेष, 2027, 2028 और 2029) के भीतर नशे के खिलाफ एक एकीकृत अभियान चलाने का संकल्प लिया है।

इस मौके पर, भाजपा नेता ने देश की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले बहादुर पुलिसकर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में जवानों की वीरता,



अनुशासन और संयम की सराहना की। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि देश अभी भी कई चुनौतियों से मुक्त नहीं हुआ है, लेकिन पुलिस बल ने कई दशकों पुरानी समस्याओं को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने भारत को नक्सलवाद से मुक्त करने में पुलिसकर्मियों के प्रयासों की सराहना की और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफएस) तथा राज्य पुलिस बलों द्वारा लोकतंत्र की रक्षा में निभाई गई अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने हाल ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों का उदाहरण दिया, जहां पहली बार चुनाव से जुड़ी हिंसा में किसी की जान नहीं गई। उन्होंने उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में भी चुनाव हिंसा को समाप्त करने में पुलिस की भूमिका का उल्लेख किया। केंद्रीय मंत्री शाह ने कश्मीर में आतंकवाद पर लगाम लगाने, पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करने और नक्सलवाद की समस्या को पूरी तरह खत्म करने में मिली सफलताओं का जिक्र किया, जिन्हें दशकों से आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां माना जाता था। उन्होंने 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नेशनल पुलिस मेमोरियल के उद्घाटन की सराहना की, जो कि शहीद पुलिसकर्मियों को सम्मान देने और उनके बलिदानों से प्रेरणा लेने के लिए बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि आजादी के करीब आठ दशकों में भारत ने वैश्विक मंच पर जो सम्मानजनक स्थान हासिल किया है, उसकी नींव में हमारे बहादुर जवानों का बलिदान है। उन्होंने कहा कि इन वीर पुरुषों और महिलाओं ने अपनी आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान न दिया होता, तब देश आज इस मुकाम पर नहीं होता।

दशहरा पर कॉकरोच का पुतला जलाने पर आप नेता सौरभ ने की शिकायत दर्ज करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पीतमपुरा में रामलीला के आयोजकों के खिलाफ एलजी और दिल्ली पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। उन्होंने कहा कि कॉकरोच का पुतला जलाए जाने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अपनी शिकायत में भारद्वाज ने श्रीकेशव रामलीला कमेटी के आयोजकों दिल्ली के मंत्री और



कमेटी के सदस्य कपिल मिश्रा जो इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भी थे और अन्य आयोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कपिल मिश्रा ने आप पर निशाना साधते हुए कहा कि कॉकरोच के पुतले से प्रभावित होने वाले लोग देश की राजनीति के दीमक हैं। दिल्ली के उत्तर-पश्चिमी इलाके में मंगलवार को दशहरा समारोह के दौरान रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के साथ कॉकरोच के 30 फुट ऊंचे पुतले का भी दहन किया गया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनों के बाद कॉकरोच का पुतला जलाए जाने के कार्यक्रम ने ध्यान आकर्षित किया है। कार्यक्रम के आयोजकों ने कहा कि कॉकरोच का पुतला जलाने का उद्देश्य गंदगी और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

वहीं आप नेता सौरभ भारद्वाज ने अपनी शिकायत में कहा कि पारंपरिक पुतलों के साथ कॉकरोच का पुतला जलाने के आयोजकों के फैसले से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया मंचों से इससे संबंधित तस्वीरों, वीडियो और अन्य प्रचार सामग्री को हटाने की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई तो वह कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

रिजिजू का तीखा हमला-सपा बात कर सकती है तो कांग्रेस क्यों नहीं?

-महिला आरक्षण, परिसीमन को लेकर राहुल पर तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कांग्रेस और विशेषकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर सरकार के साथ बातचीत न करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद को धोखा दे रही है, क्योंकि वह सरकार के साथ चर्चा करने के लिए आगे नहीं आ रही है। रिजिजू ने दावा किया कि सरकार ने कांग्रेस को 10 से अधिक बार बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को तीन पत्र लिखे हैं और राहुल गांधी से भी व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उन्हें चर्चा के लिए बुलाया है। मंत्री ने हैरानी जताई कि समाजवादी पार्टी, डीएमके, वाईएसआरसीपी, शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी जैसे अन्य विपक्षी दल सरकार के साथ बातचीत कर अपनी चिंताएं सामने रख चुके हैं, लेकिन कांग्रेस ऐसा करने को तैयार नहीं है। रिजिजू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी इच्छा और योजना के मुताबिक सदन चलाना चाहती है और राहुल गांधी महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक को पारित करने की राह में बाधा डाल रहे हैं। एक साक्षात्कार में, रिजिजू ने यह भी संकेत दिया कि मल्लिकार्जुन खरगे व्यक्तिगत बातचीत में इस मुद्दे पर अधिक सहमत हो सकते हैं, अगर वे राहुल गांधी के प्रभाव से बाहर आएं। उन्होंने राहुल गांधी के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि यदि वह इस मुद्दे को गंभीरता से समझते, तो इसका विरोध नहीं करते। परिसीमन पर विपक्षी दलों की चिंताओं पर रिजिजू ने बताया कि बीजू जनता दल और डीएमके सहित कुछ दलों ने यह सुनिश्चित करने की मांग की है कि प्रक्रिया में सभी राज्यों को समान रूप से लाभ मिले और लोकसभा में किसी भी राज्य की सीटों का मौजूदा आनुपातिक हिस्सा कम न हो। रिजिजू ने कहा कि सरकार ने प्रतिबद्धता जताई है कि किसी भी राज्य की सीटें कम नहीं होंगी और सभी राज्यों को आनुपातिक रूप से लाभ मिलेगा। उन्होंने जोर दिया कि 1971 में हुए पिछले परिसीमन के बाद से देश की आबादी में काफी वृद्धि हुई है, ऐसे में लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाना आवश्यक है। संसद के मानसून सत्र को औपचारिक रूप से समाप्त न किए जाने के विवाद पर रिजिजू ने कहा कि यह संसदीय नियमों का उल्लंघन नहीं है और पहले भी ऐसे उदाहरण रहे हैं। उन्होंने विपक्षी आशंकाओं को खारिज किया कि इसका संबंध किसी विशेष सत्र बुलाने से है।

बीजेपी के राहुल गांधी के वियतनाम जाने वाली बात पर कांग्रेस ने शेयर की तस्वीर

कहा- राहुल और प्रियंका गांधी ने विजन आईएएस कोचिंग संस्थान के छात्रों से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को छात्रों से मुलाकात की। ये मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब बीजेपी ने दावा किया है कि वो वियतनाम गए हुए हैं। कांग्रेस ने तस्वीर शेयर कर कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने विजन आईएएस कोचिंग संस्थान के छात्रों से नई दिल्ली में मुलाकात की। उन्होंने कहा कि छात्रों ने संस्थान में पढ़ाई की गुणवत्ता, मेंटरशिप और स्टडी मटेरियल में आई भारी गिरावट को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं। उन्होंने बताया कि फीस रिफंड की उनकी मांगों पर प्रबंधन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हमलावर राहुल गांधी लगातार सड़कों पर नजर आ रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों दिल्ली में कई मार्च में भाग लिया। 18 अक्टूबर



को वो गोवा में पार्टी के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान भी उन्होंने एसआईआर को लेकर बीजेपी को घेरा। इस बीच बीजेपी ने 19 अक्टूबर को वीडियो शेयर किया और राहुल गांधी के वियतनाम में होने का दावा करते हुए कहा कि 'झूठ फैलाते-फैलाते थक गया... कुछ दिन वियतनाम घूम आता हूं... किसी को क्या पता चलेगा!'

राहुल गांधी पर शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत के बयान पर बीजेपी ने एक्स पोस्ट में कहा कि राहुल गांधी वियतनाम में किससे मिलने वाले हैं? देश की सीमाओं के बाहर ऐसी कौन-सी प्लानिंग हो रही है? उनके भारत लौटने के बाद ऐसा क्या बदल जाएगा? आखिर संजय राउत ऐसे बयान क्यों दे रहे हैं? देश की जनता इन सवालों के जवाब जानना चाहती है। नया भारत जागरूक है, सजग है और देशहित के प्रति प्रतिबद्ध है।

बीजेपी के नेता रवनीत बिट्टू ने दावा किया कि राहुल गांधी अपने कुछ जैन दोस्तों के साथ विदेश में मौज-मस्ती कर रहे हैं। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी विदेश छुट्टी पर गए है। बीजेपी के हमलों पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि पीएम मोदी तो इंडिया गेट पर बैठे हुए हैं। पीएम कहां-कहां घूम रहे हैं, उसपर सवाल नहीं होंगे। वहीं टीएमसी के सांसद सौगत रॉय ने कहा कि राहुल गांधी चार दिनों के लिए वियतनाम गए हैं। वो नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं। इसमें बीजेपी को क्या चिंता है।

दशहरा पर रावण दहन के बाद दिल्ली-एनसीआर में बढ़ा प्रदूषण, सांस लेना हुआ दुश्वार

नई दिल्ली,एजेंसी। दशहरा पर हुए रावण दहन के बाद दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ गया है। बम-पटाखों की धुंध, धूल और शुष्क मौसम ने मिलकर ऐसी घुटन पैदा कर दी है जिससे लोगों का सांस लेना दुश्वार हो रहा है। न आसमान दिखाई दे रहा है न सूर्य की लालिमा, बल्कि दूर दूर तक बस धुंध का गुबार नजर आ रहा है। बुधवार का एक्यूआई स्तर सीवियर केटेगरी में पहुंच गया है। भारत मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को दिल्ली-एनसीआर का मौसम धुंध भरा और शुष्क रहेगा। एनसीआर में पटाखों का धुआं और पराली जलाने का मौसम शुरू होने से हवा की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। एक्यूआई के मुताबिक बुधवार की सुबह एक्यूआई 290 पहुंच गया है, जो सीवियर केटेगरी में आता है। वहीं नोएडा की बात करें तो यहां एक्यूआई 294 दर्ज किया जा रहा है।

सीएम भगवंत मान को एयरपोर्ट पर क्यों रोका गया, जल्द दिया जाए स्पष्टीकरण: उदित राज

कांग्रेस नेता ने सीजेपी को आम आदमी पार्टी की प्रॉक्सी बताया

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस नेता उदित राज ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पेरिस से लौटते समय दिल्ली हवाई अड्डे पर हिरासत में लेने के आम आदमी पार्टी (आप) के दावों पर त्वरित और उचित स्पष्टीकरण की मांग की है। उन्होंने पूरे घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया देकर कहा कि जब तक सीएम मान को रोकने के कारणों को स्पष्ट नहीं किया जाएगा, तब तक सच्चाई का पता नहीं चलेगा। कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि जिस तरह से एक के बाद एक लोगों को टारगेट किया जा रहा है, वह देश के लिए सही नहीं है। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान को दिल्ली हवाई अड्डे पर तीन घंटे तक हिरासत में रखा गया और उन पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया देकर उदित राज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास दुनियाभर की जानकारी है और वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली भूमिका निभाता है। उन्होंने बयान पर अपनी व्यक्तिगत राय देने से इंकार कर दिया, यह कहकर कि वे पेरिस और फ्रांस की भूगोल या भविष्य की योजनाओं के बारे में अधिक नहीं जानते। रामलीला में कॉकरोच का पुतला जलाने के विवाद पर, जिसमें सीजेपी (सीजेपी) संगठन शामिल था, उदित राज ने सीजेपी को आम आदमी पार्टी की प्रॉक्सी बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस विवाद से संगठन को मुफ्त प्रचार मिला है और उन्हें फायदा हुआ है। उन्होंने बताया कि सीजेपी से जुड़े नेता पहले आम आदमी पार्टी में रहे हैं और जंतर-मंतर पर हुए एक घटनाक्रम में उनकी सहभागिता थी, जिसमें शामिल युवा किसी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश के दुश्मनों के खिलाफ एकजुट होने की अपील पर तीखी प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा, देश के दुश्मन उनके साथ ही हैं। उन्होंने आरएसएस (आरएसएस) को देश का सबसे बड़ा दुश्मन बताकर आरोप लगाया कि वे लगातार साजिशें रचते रहते हैं और देश के सबसे बड़े दुश्मन उनके ठीक बगल में ही मौजूद हैं।



शाह गृहमंत्री पद से दें इस्तीफा, भाजपा के चुनाव मंत्री बनकर रह गए हैं: कांग्रेस

असली रामराज्य हमेशा कांग्रेस के शासन में रहा

लखनऊ, एजेंसी । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुई हैं। इस बीच कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोलकर केंद्रीय गृह मंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग की है। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने आरोप लगाया कि अमित शाह अब देश के गृह मंत्री नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के चुनाव मंत्री या प्रचार मंत्री बनकर रह गए हैं।

कांग्रेस नेता राजपूत ने देश की आंतरिक सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाकर कहा कि मणिपुर जल रहा है, पंजाब नशे की चपेट में है और गुजरात से हजारों करोड़ की ड्रग्स पकड़ी जा रही है। इसतरह के गंभीर हालात में भी केंद्रीय गृह मंत्री शाह को सिर्फ चुनावों की चिंता है। उन्होंने सुझाव दिया कि अमित शाह को गृह मंत्री का पद छोड़कर पूरी तरह से भाजपा के चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए, क्योंकि उनका काम देश की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, न कि चुनावी रैलियां करना।

कांग्रेस नेता राजपूत ने समाजवादी पार्टी प्रमुख के आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर किए गए बड़े ऐलान का समर्थन कर कहा कि उन्हें यह कहने का पूरा हक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इंडी गठबंधन, राहुल गांधी के नेतृत्व में देश में और अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में, गांव-गांव, नगर-नगर तक पहुंच बना रहा है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई अब और तेज होगी। कांग्रेस प्रवक्ता ने इस लड़ाई को वोट चोरों, संविधान चोरों, तिरंगा जलाने वालों और युवाओं के रोजगार छीनने वालों के खिलाफ बताया। उन्होंने भाजपा पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं, जैसे राहुल गांधी और अखिलेश यादव, को बदनाम करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता राजपूत ने कहा कि असली रामराज्य हमेशा कांग्रेस के शासन में रहा है, जहां हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी भाई-भाई की भावना से रहते हैं। उनके अनुसार, सांप्रदायिकता में रामराज्य नहीं, बल्कि रावण राज्य होता है।

वहीं आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के बयान पर प्रतिक्रिया देकर जिसमें उन्होंने रामलीला में कांग्रेस का पुतला जलाने को हिंदू आस्था को आहत करने वाला बताया था, राजपूत ने कहा कि किसी का भी पुतला जलाना उचित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि पुतला जलाने और निम्न स्तर के विरोध की शुरुआत आम आदमी पार्टी ने ही की थी, और अब भाजपा राहुल गांधी का पुतला जलाकर अपनी वैचारिक गिरावट प्रदर्शित कर रही है। सीजेपी नेता सौरभ दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत का जिक्र कर राजपूत ने कहा कि आज देश में तिरंगा लहराने पर लोगों को देशद्रोही बताकर जेल में बंद किया जा रहा है। उन्होंने इस काम को अंग्रेजों के शासन जैसा बताकर कहा कि तिरंगा लहराने पर जेल में बंद करना सिर्फ अंग्रेजों के समय में होता था, लेकिन अब अंग्रेजों के मानस पुत्रों के शासन में भी ऐसा हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि तिरंगे का अपमान करने वाले चाहे भाजपा, संघ, विश्व हिंदू परिषद या दिल्ली पुलिस हों, सभी को मुंह की खानी पड़ेगी।

सांसद पप्पू यादव की मंच पर बिगड़ी तबीयत, चक्कर आने से हुई अफरा-तफरी

कटिहार , एजेंसी। बिहार के पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की कटिहार में एक दुर्गा पूजा कार्यक्रम के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। मंच पर श्रोताओं को संबोधित कर उन्हें अचानक चक्कर आ गया, जिससे वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना पोठिया दुर्गा मंदिर में हुई, जहां सांसद पप्पू यादव दुर्गा पूजा मेला समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। कार्यक्रम की शुरुआत में उन्होंने माता रानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और फिर सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके बाद जब वह दर्शकों और श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे, तभी उन्हें अचानक कमजोरी महसूस हुई और वे मंच पर ही रेलिंग पकड़कर बैठ गए। मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत उनकी मदद की। उनके सिर पर पानी डाला गया और चेहरे पर पानी के छींटे मारे गए।

शिंदे का उद्धव पर हमला... चुनाव न लड़ते हुए पिछले दरवाजे से मुख्यमंत्री बन गए

मुंबई, एजेंसी । शिवसेना की दशहरा रैली को संबोधित कर उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवेसना यूबीटी नेता और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे पर जमकर हमला बोला। उन्होंने 2019 के



विधानसभा चुनाव के बाद हुए गठबंधन को 'जनादेश की डकैती' करार देकर आरोप लगाया कि उद्धव ने चुनाव न लड़ते हुए पिछले दरवाजे से मुख्यमंत्री का पद हथियाया, जो मतदाताओं के साथ सबसे बड़ा धोखा था। उप मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, ''आपने चुनाव भी नहीं लड़ा था, आप पिछले दरवाजे से आए और मुख्यमंत्री बन गए। यह जनादेश के खिलाफ एक बड़ी डकैती थी।''

उप मुख्यमंत्री शिंदे ने विपक्ष पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाकर कहा कि जब तेलंगाना, कर्नाटक या हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में चुनाव जीतते हैं, तब उन्हें ईवीएम या 'वोट चोरी' की याद नहीं आती, लेकिन हारने पर बेबुनियाद आरोप लगाना उनकी आदत बन गई है। उन्होंने कहा कि असल 'वोट चोरी' 2019 में हुई थी, जब अविभाजित शिवसेना ने कांग्रेस और राकांपा के साथ मिलकर महाराष्ट्र में सरकार बनाई। विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर निशाना साधकर डिप्टी सीएम शिंदे ने उस दस सिरों वाले राक्षस राजा रावण जैसा बताया और आह्वान किया कि इसका पुतला जलाया जाना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस को 70 वर्षों तक देश को लूटने और 'बूथ कैप्चरिंग' के माध्यम से चुनाव जीतने का दोषी ठहराया। डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा कि विपक्ष डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा बनाए संविधान को कमजोर करना चाहता है और उसकी यह 'रोज की नई नौटंकी' है। किसानों के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता जताकर डिप्टी सीएम शिंदे ने घोषणा की कि सूखे और पानी की कमी से जूझ रहे किसानों के साथ सरकार मजबूती से खड़ी है। उन्होंने बताया कि दिवाली मनाने में मदद के लिए प्रभावित किसानों को 100 टन अनाज भेजा गया है। डिप्टी सीएम शिंदे ने स्पष्ट किया कि वह केवल भाषण देने के बजाय जमीनी स्तर पर काम करने में विश्वास रखते हैं।